डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

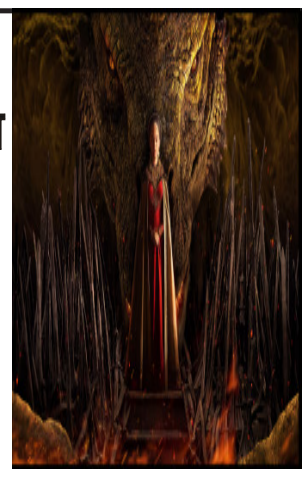

सिनेमा- रिलीज हुआ 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के प्रीक्वल का ट्रेलर

वर्ष -08 अंक -124 | प्रयागराज, शुक्रवार 22 जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अवैध खन्न से खतरे में हाईटेंशन लाइन

नई दिल्ली। गुजरात से राजस्थान के रास्ते हरियाणा की अरावली में दिल्ली तक हाईवोल्टेज लाइनों का जाल बिछा है। ये लाइनें अलग-अलग क्षमता की बताई जा रही हैं। इनमें 220 केवी, 37 केवी, 11000 केवी 66 केवी और 340 केवी की लाइने हैं। इन लाइनों के नीचे खनन हो रहा है। अरावली की पहाड़ियों में खनन से हाईटेंशन लाइन खतरे में है। लगातार खनन के कारण पहाड़ियों पर लगाए कई बिजली टावर गिरने के कगार पर हैं। माफिया ने टावरों के आसपास तक खुदाई कर डाली है। विस्फोटकों से पत्थर खिसक रहे हैं। ऐसा ही रहा तो टॉवर को गिरने से नहीं रोके जा सकेगा और इससे देश के बड़े हिस्से की बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। खनन माफिया का इससे कोई सरोकार नहीं कि कहां, कैसा और कितना नुकसान होगा। उसे अपनी कमाई से मतलब है। यही कारण है कि उन्हें खनन करते समय हाईवोल्टेज लाइन भी दिखाई नहीं देती। बिजली निगम के अधिकारी भी मानते हैं कि अगर हादसा हुआ तो उस लाइन को जल्दी ठीक भी नहीं किया जा सकता और नुकसान का तो आकलन भी नहीं किया जा सकता। बता दें कि गुजरात से राजस्थान के रास्ते हरियाणा की अरावली में दिल्ली तक हाईवोल्टेज लाइनों का जाल बिछा है। ये लाइनें अलग-अलग क्षमता की बताई जा रही हैं। इनमें 220 केवी, 37 केवी, 11000 केवी 66 केवी और 340 केवी की लाइने हैं। इन लाइनों के नीचे खनन हो रहा है। बिजली निगम के एक अधिकारी ने बताया कि यूं तो टॉवर के गिरने के आसार कम है क्योंकि इनकी गहराई पांच से दस फुट तक होती है, लेकिन विस्फोट के समय यहां स्थिति खतरनाक हो सकती है।

ईडी की पूछताछ से पहले सोनिया के घर पहुंचीं प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस का हल्लाबोलनेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय आज कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से पूछताछ करेगी। सोनिया सुबह 11 बजे तक ईडी दफ्तर पहुंचेंगी। वहीं इस पूछताछ का विरोध करने के लिए आज कांग्रेस देशव्यापी प्रदर्शन भी करेगी। सोनिया गांधी से पूछताछ से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए बने रहें अमर उजाला के साथ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने ट्वीट कर कहा है कि आज पूरे देश भर में कांग्रेसजन

सड़कों पर उतर कर लोकतंत्र बचाओ के नारे के साथ लोकतंत्र और भारतीय गणतंत्र के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे, आवाज उठाएंगे। भारत माता की जय के साथ कांग्रेसजन आज ऐसी ताकतों के विरोध में आवाज उठाएंगे जो लोकतंत्र को कुचल देना चाहती हैं, जो विपक्ष की आवाज को बंद कर देना चाहती हैं, जो हमारी संवैधानिक लोकतंत्र के खिलाफ हैं एक जबरदस्त सिंहनाद करेंगे। लोकतंत्र जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी अपनी मां और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्षा सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पहुंची हैं। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सोनिया गांधी की के द्वारा पूछताछ होने वाली है इसके विरोध में कांग्रेस पार्टी की ये सत्याग्रह नहीं बल्कि देश और देश के कानून के खिलाफ ये दुराग्रह है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस मामले में आरोपी हैं और वे दोनों जमानत पर हैं। उन पर धोखाधड़ी का आरोप है। रविशंकर ने कहा कि वे हाईकोर्ट गए वहां याचिका खारिज हुई, वे सुप्रीम कोर्ट गए वहां भी याचिका खारिज हुई। सोनिया से पूछताछ के मद्देनजर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के नई दिल्ली जिले के डीसीपी पटेल अलाप मनसुख ने बुधवार रात को ट्वीट कर लोगों को सलाह दी है कि लोग मोतीलाल नेहरू मार्ग, अकबर रोड, जनपथ और मान सिंह रोड पर सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर दो बजे तक या फिर पूछताछ पूरी होने तक आने से बचें। इसके अलावा गोल मेठी गोलचक्कर, तुगलक रोड गोलचक्कर, क्यू पाइंट जंक्शन, सुनहरी मस्जिद, मौलाना आजाद रोड व मान रोड गोलचक्कर पर आने से बचें। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि प्रदर्शन को देखते हुए गोल डाकखाना गोलचक्कर, पटेल चौक, विंडसर प्रेस, तीन मूर्ति चौक और पृथ्वीराज रोड से आगे बसों को नहीं जाने दिया जाएगा। संसद सत्र व कांवडियों को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पहले से अलर्ट है। अकबर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास कई मार्गों पर बुधवार को ही बैरिकेड्स कर दी गई थी। इससे पहले जून के मध्य में ईडी ने राहुल गांधी से लगातार पांच दिनों तक पूछताछ की थी। इस दौरान भी कांग्रेस नेताओं ने जमकर प्रदर्शन किया था। सोनिया गांधी को भी जून में समन किया गया था लेकिन खराब सेहत का हवाला देकर उन्होंने आगे की तारीख मांगी थी। देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 20 नवंबर 1937 को एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड याना का गठन किया था। इसका उद्देश्य अलग-अलग भाषाओं में समाचार पत्रों को प्रकाशित करना था। के अंतर्गत अंग्रेजी में नेशनल हेराल्ड, हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज समाचार पत्र प्रकाशित हुए। भले ही के गठन में पं. जवाहर लाल नेहरू की भूमिका थी, लेकिन इस पर मालिकाना हक कभी भी उनका नहीं रहा। क्योंकि, इस कंपनी को 5000 स्वतंत्रता सेनानी सपोर्ट कर रहे थे और वही इसके शेयर होल्डर भी थे। 90 के दशक में ये अखबार घाटे में आने लगे। साल 2008 तक पर 90 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज चढ़ गया। तब ने फैसला किया कि अब समाचार पत्रों का प्रकाशन नहीं किया जाएगा। अखबारों का प्रकाशन बंद करने के बाद प्रॉपर्टी बिजनेस में उतरी।

कर्ज जाल में फंसाने की चीनी कूटनीति का शिकार बना श्रीलंका

नई दिल्ली। सबक लें दूसरे देश वॉशिंगटन स्थित एस्पेन सिक्योरिटी फोरम को संबोधित करते हुए सीआईए प्रमुख बर्न्स ने कहा कि श्रीलंका की इस गलती को अन्य देशों को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए (एंई) के प्रमुख बिल बर्न्स ने श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक दुर्दशा के लिए कर्ज जाल में फंसाने की चीनी कूटनीति को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका चीन के दांव को समझ नहीं सका और

मूर्खतापूर्वक उसके जाल में फंस गया। दूसरे देशों को इससे सबक लेना चाहिए। वॉशिंगटन स्थित एस्पेन सिक्योरिटी फोरम को संबोधित करते हुए सीआईए प्रमुख बर्न्स ने कहा कि श्रीलंका की इस गलती को अन्य देशों को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। एस्पेन सिक्योरिटी फोरम, एस्पेन इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमेनेटिक स्टडीज की बनाई गई गई अंतरराष्ट्रीय संस्था है। यह विश्वभर में समतामूलक समाज की स्थापना के लिए काम करती है। सीआईए के प्रमुख ने कहा कि श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के साथ चर्चा कर अभूतपूर्व आर्थिक संकट का बेहतर हल निकालने में विफल रहा और चीन के जाल में फंस गया। बर्न्स ने बुधवार को आरोप लगाया कि श्रीलंका की आर्थिक तबाही का बड़ा कारण चीन का कर्ज के रूप में बड़ा निवेश है। चीनी कंपनियां देती हैं आकर्षक प्रस्ताव बर्न्स ने कहा कि चीनी कंपनियां दूसरे देशों में बड़ा निवेश कर सकती हैं, इसके लिए वे आकर्षक प्रस्ताव रखती हैं। आज श्रीलंका जैसे देशों की हालत को देखना चाहिए। वह चीन के भारी कर्ज के दबाव में है। उसने अपने आर्थिक भविष्य के बारे में मूर्खतापूर्ण दांव लगाए और नतीजतन आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह से बहुत विनाशकारी हालात का सामना कर रहा है। आंखें खुली रखकर करें करार सीआईए के प्रमुख ने अपने भाषण में दुनियाभर के देशों को चेताया कि वे चीन से किसी भी करार से पहले अपनी आंखें खुली रखें। बर्न्स ने कहा कि न केवल मध्य पूर्व या दक्षिण एशिया में बल्कि दुनिया भर में कई अन्य देशों के लिए श्रीलंका एक सबक होना चाहिए। क्या किया था चीन ने श्रीलंका मेंचीन ने नकदी की कमी से जूझ रहे श्रीलंका में भारी पैमाने पर निवेश किया। उसने पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के साथ मिलकर श्रीलंका को कर्ज के जाल में फंसाया। उसने हंबनटोटा बंदरगाह के विकास के लिए श्रीलंका को बड़ा कर्ज दिया। इसके बाद 2017 में श्रीलंका 1.4 अरब डॉलर का चीनी कर्ज चुकाने में विफल हो गया।

भारत ने आतंकी गतिविधियों में बच्चों की बढ़ती संलिप्तता पर चिंता जताई................

नई दिल्ली। कहा- मौजूदा हालात खतरनाकभारत ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से आतंकवाद के अपराधियों तथा उनके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और सुरक्षा परिषद के बाल संरक्षण दायित्वों को पूरा करने के लिए अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने का आग्रह भी किया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों में बच्चों की बढ़ती

संलिप्तता को लेकर चिंता जताई है। विश्व निकाय में भारत की ओर से स्थायी मिशन के राजदूत आर. रवींद्र ने आतंकी गतिविधियों में बच्चों के संलिप्त होने को 'खतरनाक और चिंताजनक प्रवृत्ति' करार दिया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से आतंकवाद के अपराधियों तथा उनके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और सुरक्षा परिषद के बाल संरक्षण दायित्वों को पूरा करने के लिए अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने का आग्रह भी किया। बच्चों एवं सशस्त्र संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान यूएन में में भारत के स्थायी मिशन के राजदूत आर रवींद्र ने कहा कि वैश्विक महामारी के कारण स्कूल बंद थे और इस समय का इस्तेमाल आतंकी गुटों ने बच्चों को निशाना बनाकर किया। उन्होंने हिंसक विचारधारा के प्रसार के लिए ऑनलाइन मंचों का भी इस्तेमाल किया। कहा, आतंकी गुट बच्चों को बरगला कर उनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों अथवा आतंकवाद के अपराधियों की रक्षा के लिए मानव ढाल के रूप में करते हैं। सियासी इच्छाशक्ति दिखाएं रवींद्र ने कहा कि बाल संरक्षण व आतंकवाद रोधी एजेंडे को लागू करने के लिए अधिक समन्वित दृष्टिकोण की जरूरत है। सदस्य देशों को आतंकवाद के अपराधियों व उनके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने तथा सुरक्षा परिषद के बाल संरक्षण दायित्वों को पूरा करने के लिए सियासी इच्छाशक्ति दिखानी चाहिए। 25 फीसदी बच्चे धमाकों की चपेट में आए यूएनएससी में यह चर्चा 'बच्चे एवं सशस्त्र संघर्ष' रिपोर्ट जारी होने के एक सप्ताह बाद की गई। रिपोर्ट में कहा गया था कि 25 प्रतिशत (2,257) बच्चों की मौत बारूदी सुरंगों, विस्फोटक उपकरणों और युद्ध के बाद बचे विस्फोटक अवशेषों की चपेट में आने से हुई। एजेंडे का राजनीतिकरण ध्यान भटकाएगा भारत ने रिपोर्ट पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि इसमें जिन परिस्थितियों का जिक्र किया गया है, वे सशस्त्र संघर्ष के हालात नहीं हैं। लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए क्योंकि ऐसे प्रयास एजेंडे का राजनीतिकरण करेंगे। रवींद्र ने कहा, इससे हमारा ध्यान भटकेगा और हमारा ध्यान अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा व सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के लिए उत्पन्न वास्तविक खतरों से भी हटेगा।

भरी मेट्रो में लड़की ने किया डांस

नई दिल्ली। वायरल वीडियो देख लोगों ने कुछ ऐसा कहा यह लड़की मेट्रो स्टेशन पर भी डांस करती नजर आई है। मेट्रो सवारों ने जहां इस डांस का मजा लिया, वहीं स्टेशन से आने जाने वाले भी उसे निहारते रहे। मेट्रो ट्रेन में एक लड़की के डांस का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। लड़की को ठुमके लगाते देख अन्य यात्रियों के भी पैर थिरकने लगे, लेकिन सोशल मीडिया में इस पर लोग कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो हैदराबाद मेट्रो का बताया जा रहा है। यह लड़की मेट्रो स्टेशन पर भी डांस करती नजर आई है। मेट्रो सवारों ने जहां इस डांस का मजा लिया, वहीं स्टेशन से आने जाने वाले भी उसे निहारते रहे। लेकिन, वायरल

वीडियो की आलोचना व समर्थन का भी सिलसिला शुरू हो गया है। दूसरे यूजर ने हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड को टैग करते हुए लिखा- ये कैसी विडंबना है, क्या आप मेट्रो ट्रेनों में इसकी इजाजत दे रहे हैं एक यूजर्स ने लिखा, क्या मेट्रो स्टेशनों को पिकनिक स्पॉट और डांस फ्लोर के रूप में बदल दिया है एक अन्य ने लिखा, अगर लड़की के डांस से किसी को नुकसान नहीं पहुंच रहा तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए एक यूजर ने लिखा, एक सार्वजनिक परिवहन में ऐसे वीडियो बनाने की इजाजत कैसे दी जाती है लड़की के खिलाफ कार्रवाई की मांग उधर, कई लोगों ने हैदराबाद मेट्रो रेल लि. कंपनी से मांग की है कि वह संबंधित लड़की के खिलाफ कार्रवाई करे। मेट्रो या स्टेशन पर इस तरह का वीडियो बनाने की इजाजत नहीं दी जाना चाहिए। हालांकि, पहले भी ऐसे कई वीडियो सामने आते रहे हैं, देखना होगा कि इस मामले में हैदराबाद मेट्रो प्रबंधन क्या कदम उठाता है।

सोनिया से ईडी की पूछताछ पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली। लोकसभा में दिया स्थगन प्रस्ताव नोटिससंसद के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। विपक्षी पार्टियां आज भी महंगाई, डेयरी और खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाए जाने और अग्निपथ योजना को वापस लेने के लिए हंगामा कर सकती हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी आज सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ का विरोध करेगी। संसद के मानसून सत्र से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए बने रहें अमर उजाला के साथ कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने सत्तारूढ़ दल द्वारा कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं को निशाना बनाने और परेशान करने के लिए ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग सहित देश में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के मुद्दे पर राज्यसभा में व्यावसायिक निलंबन का नोटिस दिया। संसद के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। विपक्षी पार्टियां आज भी महंगाई, डेयरी और खाद्य पदार्थो पर जीएसटी लगाए जाने और अग्निपथ योजना को वापस लेने के लिए हंगामा कर सकती हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी आज सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ का विरोध करेगी।

रूस और ईरान के बीच 40 अरब डॉलर का समझौता

यूक्रेन। खामनेई बोले- नाटो के कारण शुरू हुई यूक्रेन में जंगसंयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव सन्हा दुबे ने कहा, ऊर्जा एवं जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के साथ ही वैश्विक रसद आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान पैदा हुआ है। इधर, यूरोपीय संघ (इन्यू) रूस पर लगाए अपने प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार कर रहा है। बहुत जल्द रूस के ऐसे बैंकों से प्रतिबंध हटाया जा सकता है, जो कृषि, खाद्य और उर्वरक के व्यापार

से जुड़े हैं। रूस यूक्रेन युद्ध को पांच माह हो चुके हैं लेकिन बुधवार को भी रूसी सेना ने यूक्रेन के दोनबास क्षेत्र में बमबारी जारी रखी है। उधर, ईरान दौरे पर गए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेहरान में करीब 40 अरब डॉलर का सौदा किया है। इस दौरान उन्होंने ईरानी सवीच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई से भी मुलाकात की। खामनेई ने नाटो देशों को खतरनाक जीव करार दिया। रूस-ईरान में हुई डील के तहत तेल व गैस क्षेत्र के विकास की बात कही गई। जबकि अमेरिका ने इस डील में ड्रोन खरीदी को प्रमुख समझौता बताया है। पुतिन-खामनेई मुलाकात में ईरानी सर्वोच्च नेता ने कहा, पश्चिमी देश एक मजबूत और स्वतंत्र रूस का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने पुतिन से कहा, युद्ध एक हिंसक और कठिन मुद्दा है लेकिन जहां तक बाद यूक्रेन की है तो आपने इसकी पहल नहीं की बल्कि दूसरे पक्ष ने की जिससे युद्ध शुरू हुआ। उन्होंने कहा, यदि नाटो को यूक्रेन में नहीं रोका गया तो वह यही युद्ध शुरू करेगा और क्रीमिया को इसका बहाना बनाएगा। उधर, पुतिन के हवाले से ईरानी मीडिया ने कहा कि यूक्रेन में आम लोगों की मौत एक बड़ी त्रासदी है। लेकिन पश्चिमी देश इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं। यूक्रेन में जनमत संग्रह करा बड़ा हिस्सा कब्जाने की तैयारी : अमेरिका अमेरिकी खुफिया विभाग ने दावा किया है कि यूक्रेन के कुछ हिस्सों पर रूस कब्जा जमाने की योजना बना रहा है। उसने कहा, क्रीमिया पर कब्जे की तरह रूस यहां भी अधिग्रहण की रणनीति बनाते हुए जनमत संग्रह की योजना बना रहा है। पेंटागन के जॉन किर्बी ने अमेरिकी खुफिया विभाग के हवाले से कहा, रूस अपने कब्जाए यूक्रेनी क्षेत्रों में अवैध रूसी समर्थकों के साथ फर्जी जनमत सर्वेक्षण का दिखावा करने जा रहा है। लड़ाई का समाधान निकालें वरना विश्व अर्थव्यवस्था बिगड़ेगी : यूएन में भारत भारत ने आगाह किया है कि अगर यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर वार्ता व कूटनीति को नहीं अपनाया गया तो विश्व अर्थव्यवस्था पर इसके गंभीर नतीजे सामने आएंगे। इसके चलते खाद्य सुरक्षा और भुखमरी मिटाने की कोशिशें भी बेपटरी हो जाएंगी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव सन्हा दुबे ने कहा, ऊर्जा एवं जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के साथ ही वैश्विक रसद आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान पैदा हुआ है। रूसी बैंकों से प्रतिबंध हटाएगा इन्यू यूरोपीय संघ (इन्यू) रूस पर लगाए अपने प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार कर रहा है। बहुत जल्द रूस के ऐसे बैंकों से प्रतिबंध हटाया जा सकता है, जो कृषि, खाद्य और उर्वरक के व्यापार से जुड़े हैं। इन्यू के एक राजनयिक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सदस्य देश चाहते हैं कि प्रतिबंधों में ऐसा कुछ भी नहीं हो जो रूस या यूक्रेन से अनाज के गति को धीमा करे। इसके तहत कुछ ब्लैकलिस्ट हुए रूसी बैंकों को राहत मिल सकती है। पुतिन बोले- खाद्य आपूर्ति के लिए पाबंदी हटाए पश्चिम पश्चिमी देशों पर अनाज निर्यात को लेकर जानबूझकर 'उन्माद' पैदा करने का आरोप लगाने वाले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस दुनिया को ऊर्जा, कृषि उत्पाद तथा उर्वरक उपलब्ध कराने के अपने दायित्वों का पालन करने के लिए तैयार है। लेकिन इसके लिए मॉस्को से अनाज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध हटा दिए जाना चाहिए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ एक समझौता हुआ था और किसी ने भी इस पर आपत्ति नहीं की थी। अमेरिका यूक्रेन को देगा रॉकेट सिस्टम मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन को और अधिक सटीक रॉकेट सिस्टम भेजने का वादा किया है। वहीं रूस ने संकेत दिए है कि वह डोनबास के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र से परे अधिक यूक्रेनी क्षेत्र को जब्त करने का लक्ष्य बना रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित कर सकते हैं जयशंकर

संयुक्त राष्ट। प्रारंभिक सूची में जयशंकर भारतीय प्रतिनि धिमंडल का नेतृत्व करेंगे और 24 सितंबर की दोपहर को उच्च स्तरीय सत्र

को संबोधित करेंगे। वहीं चीन के शहर तियांजिन शहर में एक छह मंजिला आवासीय भवन में गैस विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। विदेश मंत्री एस जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्च स्तरीय वार्षिक सत्र को सितंबर में संबोधित कर सकते हैं। यहां विश्व निकाय द्वारा जारी एक प्रारंभिक सूची में यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के लिए आम चर्चा 20 सितंबर से शुरू होनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के, 193 सदस्यीय महासभा के इस सत्र में वैश्विक नेताओं को संबोधित करने का कार्यक्रम है। यह चर्चा 26 सितंबर तक चलेगी। प्रारंभिक सूची में जयशंकर भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और 24 सितंबर की दोपहर को उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करेंगे। गत वर्ष नरेंद्र मोदी ने महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित किया था। पेशेवर शख्स ने की रिपुदमन सिंह की हत्या : पूर्व अधिकारी ब्रिटिश कोलंबिया के पूर्व महाधिवक्ता काश हीड ने बताया कि कनाडा में 1985 के एयर इंडिया कनिष्क आतंकी बमबारी मामले में बरी हुए रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के पीछे एक पेशेवर शख्स शामिल हो सकता है। मलिक की हत्या 15 जुलाई को गोली मारकर की गई थी। पुलिस इस मामले में हत्यारों की तलाश कर रही है और उसने कुछ हिट लिस्ट वाले लोगों की पहचान की है। काश हीड ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों और रॉयल कनैडियन माउंटेड पुलिस के लिए यह एक कठिन जांच होने जा रही है। पुलिस को गोपनीय मुखबिर को खोजने की कोशिश करनी होगी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल पांडेय ने शेख हसीना से शिष्टाचार भेंट की भारतीय सेना प्रमुख मनोज पांडेय ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से उनके आधिकारिक आवास पर शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने अपनी पहली यात्रा के दौरान शीर्ष सैन्य कमांडरों के साथ बातचीत भी की।

यूरोप में भीषण गर्मी से अब तक 1700 लोगों की मौत

लंदन। आखिर कैसे पिघला ट्रेन का सिगन्ल, देखें तस्वीरें पूरा यूरोप भीषण गर्मी की आग में तप रहा है, एयरपोर्ट के रनवे पिघल रहे हैं, रेलवे ट्रैक फेल और सड़कों पर सननटा पसरा है। स्पेन और पुर्तगाल में मरने वालों की संख्या 1700 के करीब पहुंच गई है। वहीं

सोशल मीडिया पर इसे लेकर अफवाहों और भ्रामक जानकारियों का बाजार भी गर्म है। इस बीच सोशल मीडिया पर ट्रेन के सिगन्ल की एक ऐसी फोटो शेयर की जा रही है जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि यह सिगन्ल भीषण गर्मी के कारण पिघल गया है। हालांकि इसकी सच्चाई कुछ और ही है। दरअसल, रेलवे सिगन्ल की यह तस्वीर ब्रिटेन के बेडफोर्डशायर के सैंडी शहर की है। एक तस्वीर में पिघले हुए सिगन्ल को देखा जा सकता है, जिसे वायरल किया जा रहा है। हालांकि इस घटना स्थल की एक और तस्वीर भी है जिसमें दिखता है कि वहां आग लगी थी। इसकी वजह से ही यह सिगन्ल पिघला है और रेलवे ट्रैक भी प्रभावित हुआ है।लंदन के कुछ हिस्सों में जंगल की आग में कई घर नष्ट हो गए हैं। ज्यादातर देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। इससे पहले सबसे ज्यादा तापमान 2019 में 39.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि पारा अभी भी इसके ऊपर जा सकता है। विशेषज्ञों का दावा है कि अगर कार्बन उत्सर्जन कम नहीं किया, तो हालात इससे ज्यादा बुरे हो जाएंगे। ब्रिटेन में गर्मी से हालात इतने बिगड़ गए हैं कि वहां का ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बिगड़ गई है। जानकारी के मुताबिक, ब्रिटेन में सड़कों पर डामर पिघलने लगा है। लूटन एयरपोर्ट का रनवे भी पिघल गया।

रिश्तेदार के यहां शादी में आए दो किशोरों की तालाब में डूबने से मौत

प्रयागराज। मऊआइमा बाजार के मोहल्ला अबु हलीम पट्टी निवासी बब्बू के लड़के की शादी थी। बारात बृहस्पतिवार को जानी थी। इसके लिए जोरशोर से तैयारी की जा रही थी। घर पर बड़ी संख्या में रिश्तेदार भी पहुंचे थे। सुबह करीब आठ बजे शादी में आए दो किशोर

मोहम्मद मेहन (17) पुत्र इकबाल निवासी जलालपुर थाना फुलपुर प्रयागराज और मोनिस उर्फ कैफ (17) पुत्र नौशाद निवासी चिकनी तालाब कोतवाली भदोही नहाने के लिए मऊआइमा के ईदगाह तालाब पर चले गए। आजमपुर ईदगाह के निकट तालाब में नहाते समय बृहस्पतिवार दिन में दो किशोर डूब गए। उन्हें बाहर निकाला गया तब तक उनकी मौत हो गई थी। दोनों अबूहलीम पट्टी स्थित अपने रिश्तेदार के घर शादी में आए थे। शव देखते ही परिजन बिलख उठे। शादी के घर में मातम छा गया। पुलिस ने पंचनामा कर दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद बारात रोक दी गई। अबूहलीम पट्टी मोहल्ले के गुलाम रसूल उर्फ बब्बू के बेटे शमशाद की बृहस्पतिवार को शादी थी। बारात हंडिया जानी थी। सुबह से ही तमाम जगहों से रिश्तेदार घर आने लगे थे। शमशाद की मौसी का बेटा मो. कैफ 16 पुत्र नौशाद निवासी चिकनी तालाब, बाजार सलामत खान, भदोही एवं मो. मैहन 15 पुत्र मो. इकबाल निवासी सेमरा जलालपुर थाना फूलपुर भी आए थे। बृहस्पतिवार सुबह दोनों आजमपुर ईदगाह के पक्का तालाब में नहाने लगे। इस दौराना दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों डूबता देख लोगों ने शोर मचाया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई।

संगमनगरी में तीन दिन प्रवास करेंगे आरएसएस प्रमुख भागवत संघ की बैठक में लेंगे हिस्सा

प्रयागराज। संघ प्रमुख के प्रस्तावित प्रयागराज आगमन को लेकर प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया है। जिला प्रशासन के कुछ अफसर बृहस्पतिवार को गौहनिया भी पहुंचे। बताया जा रहा है कि

वहां एक कालेज के पीछे तालाब का जीणोद्धार होना है। संघ प्रमुख मोहन भागवत का प्रयागराज आने का कार्यक्रम बन रहा है। वह 16 से 18 अक्तूबर 22 तक प्रयागराज में प्रवास करेंगे। यहां यमुनापार के गौहनिया में संघ की एक राष्ट्रीय स्तर की बैठक होनी है। हालांकि बैठक को लेकर संघ के स्थानीय पदाधिकारी अभी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। उधर संघ प्रमुख के प्रस्तावित प्रयागराज आगमन को लेकर प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया है। जिला प्रशासन के कुछ अफसर बृहस्पतिवार को गौहनिया भी पहुंचे। बताया जा रहा है कि वहां एक कालेज के पीछे तालाब का जीणोद्धार होना है। इस दौरान पुलिया की मरम्मत आदि के कार्य भी वहां होंगे।

फायर फाइटिंग सिस्टम में मिली थीं खामियां, फिर भी आंख मूंदे रहे अफसर

प्रयागराज। सितंबर 2021 में अनुरक्षण के लिए सीएंडसीएस से भवन हस्तांतरित होने के बाद की पीडब्लूयूडी के विद्युत यांत्रिक खंड के अभियंताओं ने तकनीकी टीम के साथ फायर फाइटिंग सिस्टम

का फ्लोरवाइज सर्वेक्षण कराया। डॉ. भीमराव आंबेडकर भवन स्थित सूबे के महाधिवक्ता कार्यालय में लगी आग के पीछे नित नई परतें खुल रही हैं। आग की घटना के पहले ही इस भवन के भूतल से लेकर आखिरी मंजिल तक लगे फायर फाइटिंग सिस्टम के ठप पाए जाने की जानकारी जिम्मेदार अफसरों को मिल गई थी। अनुरक्षण का जिम्मा संभालने वाली कार्यदायी संस्था पीडब्लूयूडी ने महीने भर पहले फायर फाइटिंग सिस्टम के खराब होने की जानकारी शासन को दी, लेकिन इसे बदलवाना जरूरी नहीं समझा गया। सितंबर 2021 में अनुरक्षण के लिए सीएंडसीएस से भवन हस्तांतरित होने के बाद की पीडब्लूयूडी के विद्युत यांत्रिक खंड के अभियंताओं ने तकनीकी टीम के साथ फायर फाइटिंग सिस्टम का फ्लोरवाइज सर्वेक्षण कराया। भूतल से लेकर नौवें तल तक हर कदम पर फायर फाइटिंग सिस्टम में खामियां पाई गईं। पांचवें तल से नौवीं मंजिल तक की जो शासन को रिपोर्ट भेजी गई है, उसके मुताबिक फायर फाइटिंग सिस्टम इस लायक ही नहीं थे, कि उनके मत्थे आग से लड़ा जा सके। हर तल पर भवन के आंतरिक भाग में लगे फायर हाइड्रेंट सिस्टम में लैंडिंग वॉल नहीं होने की बात रिपोर्ट में कही गई है।इसके अलावा भवन में स्थापित फायर फाइटिंग सिस्टम में आरआरएल, होजरील, ब्रांच पाइप तक न होने की बात कही गई है। जगह-जगह लगे फायर एक्सटिंग्यूशर में ज्यादातर के शो पीस होने और फायर एलार्म सिस्टम के भी पूर्ण रूप से क्रियाशील न होने की बात रिपोर्ट में शामिल है। ठप पड़े इस फायर फाइटिंग सिस्टम को बदलने, मरम्मत कराने के साथ ही इसके अनुरक्षण के लिए पीडब्लूयूडी के विद्युत यांत्रिक खंड के एक्सईएन ने शासन से बजट की मांग भी की और धन स्वीकृत करने के साथ अवमुक्त भी कर दिया गया। बावजूद इसे समय रहते बदला नहीं गया। महाधिवक्ता कार्यालय भवन में लगे 120 अग्निशमक सिलेंडरों के भी निष्क्रिय होने की जानकारी मिली है। 2012 में निर्माण कराने वाली संस्था सीएंडडीएस की ओर से महाधिवक्ता को भवन हस्तांतरित किए जाने के बाद अग्निशमक सिलेंडर भी नहीं बदले गए थे। पीडब्लूयूडी की रिपोर्ट में ही 10 वर्ष पुराने हो चुके इन अग्निशमक सिलेंडरों को अक्रियाशील अवस्था में बताया गया है। ऐसे सिलेंडरों में 40 सीओटू श्रेणी के और 80 ड्राई केमिकल पाउडर वाले सिलेंडरों को बदलने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था।

एसटीएफ के छापे से पहले भाग निकले माफिया अतीक के इनामी बेटे उमर और अली, इस जगह बनाया था अपना ठिकाना

प्रयागराज। माफिया और पूर्व बाहुबली सांसद अतीक अहमद के बेटे उमर और अली पश्चिम बंगाल के खिदिरपुर में अपार्टमेंट किराये पर लेकर रह रहे थे। सूचना पर एसटीएफ ने छापा मारा, लेकिन दोनों छापे से कुछ घंटे पहले निकल गए थे। दोनों एक मोबाइल का प्रयोग कर रहे थे, उसी मोबाइल नंबर और लोकेशन के सहारे एसटीएफ उनके अपार्टमेंट तक पहुंच गई।

अतीक के बेटे उमर पर सीबीआई ने दो लाख का इनाम घोषित कर रखा है। उमर से छोटे अली पर पचास हजार का इनाम है। दोनों को पकड़ने के लिए पुलिस, क्राइम और एसटीएफ के साथ सीबीआई भी लगी है। उमर और अली के तमाम करीबियों, दोस्तों और रिश्तेदारों के नंबर सर्विलांस पर हैं। एसटीएफ को कुछ समय पहले एक संदिग्ध मोबाइल नंबर के बारे में पता चला। जब जांच की गई तो लोकेशन पश्चिम बंगाल के खिदिरपुर में मिली। एसटीएफ टीम तीन दिन पहले खिदिरपुर पहुंची। वहां एक अपार्टमेंट में छापा मारा गया। उमर और अली वहां से कुछ घंटे पहले ही भागे थे। एसटीएफ ने मकान मालिक और पड़ोसियों से पूछताछ की। पता चला कि दोनों कहीं बाहर नहीं निकलते थे। दूसरी आईडी पर उन्होंने अपार्टमेंट किराये पर लिया था। पुलिस के छापे के बाद वह नंबर भी बंद है, जिसे दोनों प्रयोग कर रहे थे। डिप्टी एसपी एसटीएफ नवेंदु कुमार ने बताया कि उमर और अली के खिदिरपुर में होने की सूचना पर टीम गई थी लेकिन दोनों मिले नहीं।

आजम खां का तंज: हम बाइज्जत शहरी नहीं

प्रयागराज। मुर्गी-भैंस और बकरियों के डकैत हैं, पत्नी-बेटे के साथ लूटी शराब की दुकान सपा नेता आजम खां मंगलवार रात प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपने वकील कमरुल हसन से मुलाकात की। रात करीब 12 बजे वह वापस भी हो गए। इस दौरान उन्होंने ओमप्रकाश राजभर के बयान पर तंज कसा। राजभर द्वारा अखिलेश यादव को एसी में बैठकर ट्वीट करने के सवाल पर सपा नेता ने कहा कि मैंने राजभर को कभी भी धूप में भाषण देते नहीं देखा, इसलिए कुछ कह नहीं सकता।

विद्यालय को पूर्व में 2004 05 में सांसद निधि से 5 लाख रुपया अनुदान दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। गया था जिस भूमि के लिए दिया गया था भवन का वहां निर्माण न होकर ग्राम की बंजर भूमि 645 पे बनवाया गया जिसकी जाँच परियोजना निदेशक नहीं कर रहे है बोलते है अभी समय नहीं है अभी नवंबर 2021 में फिर से विद्यालय को 20 लाख का अनुदान दिया गया गया है गाटा संख्या 655 भूमि के लिए वहा पे सिर्फ कृषि होती है कोई भी चकमार्ग उपलब्ध नहीं है परियोजना निदेशक बिना जाँच किये शिकायत का निस्तारण कर दिए है की प्रबंधक द्वारा बतया गया है की भूमि के दोनो तरफ कच्ची सड़क मौजूद है जो की सरासर झूठ है कृपया मामले की जाँच किसी अन्य अधिकारी द्वारा करवाया जाये की अब तक कितना अनुदान विद्यालय को दिया गया है और उन रुपयों का उपयोग कौन सी भूमि में भवन बनवाने में किया गया गया जब तक जाँच पूरी न हो तब तक 655 गाटा संख्या पे निर्माण को रोका जाये विद्यालय के खिलाफ ग्राम की बंजर भूमि व् प्राइमरी पाठसाला की भूमि पे 20-25 वषी से कब्जे के खिलाफ बेदखली का मुक़दमा भी तहसीलदार जी के यहाँ चल रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की प्री ट्रायल बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में कुटुम्ब न्यायालय प्रधान न्यायाधीश सुरेश चन्द्र आर्या के द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13 अगस्त के सम्बन्ध में प्री0 ट्रायल बैठक की गयी। बैठक में प्रधान न्यायाधीश ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वादों से सम्बन्धित मामलों को पक्षकारों की सहमति व सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक पारिवारिक मुकदमों का निपटारा कराने में सहयोग की अपेक्षा की। उन्होनें कहा कि इसमें पक्षकरों को शीघ्र न्याय मिल जाता है और उनको बेवजह कचहरी के चक्कर नहीं काटने पड़ते, इसमें धन और समय की बचत होती है। आपसी सुलह समझौते से पक्षकारों के बीच उत्पन्न मतभेद व विवाद हमेशा के लिये समाप्त हो जाता हैं। बैठक का संयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम दूबे द्वारा किया गया। बैठक में पारिवारिक वादों से सम्बन्धित अधिवक्तागण, मध्यस्थगण आदि मौजूद रहे

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज में 36 कलाकारों ने दिया स्वर परीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा की अध्यक्षता में क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में आजादी के 75वें वर्षगाठ के अवसर पर आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा ''सांस्कृतिक प्रतिभा खोज का आयोजन'' किया गया जिसमें 36 कलाकारों ने अपने वाद्य यंत्र एवं संगत कर्ताओं के साथ आयोजन में प्रतिभाग किया। विविध सांस्कृतिक विधाओं यथा लोकगायन, आल्हा गायन, भजन, कठपुतली, कजरी आदि द्वारा अपनी विधाओं की प्रस्तुत की गयी। आयोजन में भाग लेने वाले कलाकारों को संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की ई-डायरेक्ट्री में पंजीकृत किया जायेगा तथा उनको क्यू-आर कोड बेस्ड पहचान पत्र उपलब्ध कराया जायेगा। समस्त कलाकारों को पंजीकरण के आधार पर ही उन्हें आगामी कार्यक्रमों व सरकारी आयोजनों में प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जायेगा। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा द्वारा सांस्कृतिक प्रतिभा खोज कार्यक्रम के सभी प्रतिभागी कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होनें कलाकारों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि आप सभी कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रदेश में जनपद का नाम रोशन करें। कार्यक्रम का संचालन जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल में जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, प्राचार्य क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी शिव प्रकाश, एम0डी0पी0जी0 कालेज संगीत विभाग की डा0 शिवानी मातनहेलिया, सुरमयी संगीत महाविद्यालय की लक्ष्मी मिश्रा, आकाशवाणी के कलाकार/शिक्षक तेज बहादुर सिंह उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में अपर जिला सूचना अधिकारी सविता यादव सहित समस्त प्रतिभागी व दल के साथ उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पाण्डेय की जयन्ती

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देश के क्रम में जनपद में आज जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर के शहीद स्थल पर स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पाण्डेय की 194वें जयन्ती धूम-धाम से मनायी गयी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, जिला सूचना

अधिकारी विजय कुमार, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आर0के0 सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम नायक मंगल पाण्डेय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रधुन की मनमोहक प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ने कहा सन् 19 जुलाई 1827 को मंगल पाण्डेय जी का जन्म बलिया में हुआ था और सन् 1849 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के सेना में शामिल हुये थे। मंगल पाण्डेय ब्रिटिश सेना में एक सिपाही के तौर पर भर्ती किये गये थे। उस समय ब्रिटिश अपनी सेना के लिये नई-नई रायफल बना रहे थे। इस रायफल के कारण लोगों के पास एक अफवाह फैल गई थी की बंदूक के कारतूस को चिकना करने के लिये यह लोग गाय और सुअर की चर्बी को प्रयोग करते है, मंगल पाण्डेय जी को यह बात पता नही थी, उन्होने अपने सीनियर अधिकारी से इस बात पर चर्चा की लेकिन उन्होने इसका कोई भी जवाब नही दिया। कुछ दिनों बाद मंगल पाण्डेय कारतूस की फैक्ट्री में जांच करने के लिये चले गये, वहां जाकर पता चला कि यह बात सत्य है की कारतूस को बनाने में गाय और सूअर की चर्बी का प्रयोग हुआ है। सन् 1857 में कारतूस में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल से हिन्दुस्तानियों में रोष बढ़ने लगा, 29 मार्च 1857 को मंगल पाण्डेय ने अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाते हुये विद्रोह कर दिया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि महान मंगल पाण्डेय साहस और दृढ़ता के पर्याय है, उन्होने इतिहास के बेहद महत्वपूर्ण समय में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित की। उनके सवीच्च बलिदान ने पूरे देश को झकझोर दिया और आजादी की मजबूत नीव पड़ी। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार ने कहा कि भारत के इतिहास में मंगल पाण्डेय जी का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। मंगल पाण्डेय के द्वारा लगाये गये विरोध की चिंगारी देखते ही देखते अंग्रेजों की जड़े भारत में कमजोर हो गई थी। यह भारत का पहला ऐसा स्वतंत्रता संग्राम में था जिन्होनें ब्रिटिश कानून का खुलकर विरोध किया था। स्वतंत्रता संग्राम में मंगल पाण्डेय जी की महत्वपूर्ण भूमिक होने के कारण भारत सरकार ने इनके नाम पर एक डाक टिकट 1984 में जारी किया था। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आर0के0 सिंह सहित गौरवशाली पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारी एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

आई०टी०आई० में प्रवेश हेतु ३१ जुलाई तक करें आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य बीरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि जनपद के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानां में विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी विभागों, उद्योगों में 95 प्रतिशत से अधिक प्रशिक्षित युवा/युवतियों को रोजगार के अवसर प्रशिक्षण उपरान्त प्रदान करते है। प्रशिक्षण हेतु जनपद के समस्त राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु दिनांक 31 जुलाई 2022 तक वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। आनलाइन आवेदन शुल्क रूपये 250 सामान्य वर्ग एवं पिछड़ी जाति हेतु तथा रूपये 150 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हेतु निर्धारित है। आम जनमानस उत्तर प्रदेश शासन की शिल्पकार प्रशिक्षण योजना में प्रवेश लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। इसकी जानकारी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। विस्तृत जानकारी हेतु जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षण अनुभाग से सम्पर्क किया जा सकता है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट ने 07 गुण्डों को किया जिला बदर

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के जिन व्यक्तियों का आस-पास के क्षेत्रां में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नही करता है ऐसे 07 व्यक्तियों को अपर जिला मजिस्ट्रेट त्रिभुवन विश्वकर्मा ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होंने थाना लालगंज ग्राम शीतला बक्स का पुरवा खण्डवा के भारत लाल पटेल सुत छोटेलाल व सचिन गौतम सुत हरिश्चन्द्र तथा ग्राम खण्डवा के फूलचन्द्र सुत गंगन, थाना रानीगंज ग्राम थरिया के रामनाथ सरोज सुत जयकरन सरोज व थाना मानधाता ग्राम रामनगर के मुकेश पटेल सुत आनन्द कुमार, कुन्दन पटेल सुत जोखूलाल व अमर बहादुर सुत जोखूलाल को 06 माह के लिये जिला बदर किया है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट ने 06 गुण्डों को किया जिला बदर

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के जिन व्यक्तियों का आस-पास के क्षेत्रां में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नही करता है ऐसे 06 व्यक्तियों को अपर जिला मजिस्ट्रेट त्रिभुवन विश्वकर्मा ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होंने थाना लालगंज ग्राम बख्तावर का पुरवा खण्डवा के धनी सरोज सुत कल्लू सरोज व राजू सरोज सुत देवता सरोज, ग्राम खण्डवा के अनुज तिवारी सुत रामचन्द्र तिवारी व हिमांशू तिवारी सुत रमेश चन्द्र तिवारी, थाना मानधाता ग्राम रामनगर के राजकुमार सुत ननकूराम तथा थाना मानिकपुर ग्राम देहगरी जमालपुर के पंचम यादव सुत घेराऊ यादव को जनपद की सीमा से 06 माह के लिये जिला बदर किया है।

ग्राम प्रधान,प्रधान पति एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध दर्ज हुआ गबन और जालसाजी का मुकदमा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के रामपुर कल्हवारी की ग्राम प्रधान,उसके पति और ग्राम पंचायत अधिकारी ने कूट रचित दस्तावेज तैयार करके सरकारी धन का दुरुपयोग एवं गबन किया।आखिरकार इनके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। ग्राम प्रधान उर्मिला यादव उनके पति विवेक यादव एवं ग्राम पंचायत सचिव आशा पाल तथा तकनीकी सहायक राजेंद्र मिश्र की मनमानी से इस ग्राम पंचायत के धन का दुरुपयोग किया गया।प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव ने मिलकर इस ग्राम पंचायत के धन का गबन किया।ऐसे लोगों को मनरेगा की मजदूरी दिया जो जेल में निरुद्ध थे।इस ग्राम के अभिषेक सिंह सुत संतोष कुमार सिंह ने इसकी शिकायत खंड विकास अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी आदि से किया लेकिन जाँच में लीपापोती करके ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी को बचाने की कोशिश की गई।आखिरकार अभिषेक सिंह ने न्यायालय की शरण ली।उन्होंने भ्रष्टाचार और सरकारी धन का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की माँग की। इस ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने भी जिलाधिकारी को दिए गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया था कि गाटा संख्या 108 पर जेसीबी से समतलीकरण करवाया गया है।इसके अलावा भी इस ग्राम पंचायत में मनरेगा के फर्जी जॉब कार्ड बनवाने का आरोप प्रधान उर्मिला यादव एवं ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल पर लगाया गया था।आधुनिक समाचार दैनिक ने इन खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।ग्राम पंचायत अधिकारी आशा पाल एवं ग्राम प्रधान यहाँ तैनात रोजगार सेवक के अधिकारों को छीन कर अपने ढंग से मस्टर रोल तैयार करवा कर सरकारी धन के गबन का खेल खेला था। आखिरकार अभिषेक सिंह के प्रयास से इस ग्राम पंचायत के धन को अपना समझ कर गड़प करने वाले इन कर्मचारियों एवं प्रधान व उसके पति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 419/ 420/ 468/471 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।इस विकास खंड के ऐसे कई गाँवों में भ्रष्टाचार में लिप्त प्रधान सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं।कुछ ऐसे भी हैं जो माँ और पतने के स्थान पर प्रधान प्रतिनिधि बन कर शासन के धन को लूट रहे हैं साथ ही महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित कर रहे हैं।संगठन की राजनीति के द्वारा खबर लिखने वाले पत्रकारों के विरुद्ध गिरोह बनाकर उनको फर्जी मुकदमे में फँसाने की धमकी देते हैं।ऐसी ग्राम पंचायतों में भी भारी भ्रष्टाचार की जाँच हो चुकी है। ग्राम पंचायत तिलौरी है का प्रधान पति मोहम्मद अख्तर सुत हामिद जिसके विरुद्ध सीमेंट चोरी,हत्या के प्रयास सहित कई मुकदमे थानों में दर्ज हुए है इस संवाददाता को तिलौरी ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार की खबर छापने पर जान से मारने की धमकी दिया। फिर उसे फर्जी मुकदमे में फँसाने की कोशिश किया।एक तरफ भारतीय प्रेस परिषद पत्रकारों को फर्जी मुकदमे में फँसाने के विरुद्ध सख्त कार्यवाही का आदेश देती है तो दूसरी तरफ योगी सरकार ऐसे भ्रष्ट और दबंग लोगों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने के प्रति अपने संकल्प को दोहराती है लेकिन अपनी दबंगई से एक पत्रकार को डराने,धमकाने,जान से मारने की धमकी देने और फर्जी मुकदमे में फँसाने वाले मोहम्मद अख्तर के विरुद्ध आज तक कोई कार्यवाही न होने से पत्रकारों में आक्रोश है।

बैनामे की जमीन पर सरहंगई से लगवाया दरवाजा,रोकने पर मारने को दौड़ाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत डांडी खास ग्राम के योगेश्वर प्रसाद प्रजापति पुत्र कालू ने जेठवारा थाने में दी गई तहरीर में अपने पड़ोसी पर सरहंगई करने और मारने पीटने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने शिकायत पत्र में लिखा है कि उसके पड़ोस के छोटेलाल पुत्र अमरनाथ, नागेंद्र प्रजापति पुत्र छोटेलाल, राम बकस पुत्र मुनेश्वर प्रजापति, प्रमोद एवं उमेश पुत्र राम बकस प्रजापति ने उसके बिना में की जमीन पर रात 9-30 बजे जबरन दरवाजा लगा दिया। जब योगेश्वर प्रसाद प्रजापति ने मना किया तो सभी आरोपी उसे भद्दी-भद्दी गालियाँ देते हुए मारने पीटने के लिए दौड़ा लिए। योगेश्वर का कहना है कि यह उसकी खुद की बैनामे की जमीन है लेकिन सराहंगई से उनके पड़ोसियों ने उस जमीन पर दरवाजा लगा दिया। एक अन्य जमीन पर जिस पर छोटे लाल आदि ने स्वयं मुकदमा भी किया है।उस पर भी वे जबरन काबिज होने का प्रयास कर रहे हैं।न्यायालय ने उस पर स्थगन आदेश भी दिया है। इसके बावजूद दबंग किस्म के ये आरोपी न्यायालय को भी ठेंगा दिखाने में लगे हैं।स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता एवं लापरवाही से जोगेश्वर एवं उसका परिवार सहमा हुआ है।संख्या बल में अधिक छोटे लाल प्रजापति पीड़ित को डरा धमका कर उसका जीना मुहाल कर दिए हैं। पुलिस के द्वारा ऐसे दबंगों के विरुद्ध कोई कार्यवाही न होने से पीड़ित परिवार असहाय दिखाई पड़ रहा है।

बागी धरती पर पूर्वोत्तर रेलवे ने हर्षोल्लास के साथ मनाया आजादी के अमृत महोत्सव नुक्कड़ नाटक का हुई मंचन

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी)। पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा देश की आजादी के अमृत महोत्सव के प्रतिष्ठित सप्ताह में ठआजादी की रेल गाड़ी और स्टेशन्सठ उत्सव 18 जुलाई से 23 जुलाई तक बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।इस दौरान बागी धरती पर उक्त उत्सव में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल परिक्षेत्र के बलिया स्टेशन की साज-सज्जा के साथ फोटो प्रदर्शनी लगाई गयी और आइकोनिक सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के इसी क्रम में आज बलिया रेलवे स्टेशन पर आयोजित आजादी के स्टेशन समारोह के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम के पुरोधा मंगल पाण्डेय जी की जयंती मनाई गयी।इस अवसर पर मंगल पाण्डेय जी के जीवन एवं क्रांतिकारी आन्दोलन पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया । इसके साथ ही बलिया स्टेशन पर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में क्रांति की पहल करने वाले मंगल पाण्डेय जी की जयंती पर नुक्कड़ सभा का भी आयोजन किया गया। इस दौरान समारोह के मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट बलिया श्री प्रदीप कुमार द्वारा 05 समाजसेवियों का सम्मान किया गया । इस नुक्कड़ सभा में प्रतिभाग करने आये लगभग 70 गरीब लोगों को स्टेशन के कर्मचारियों द्वारा भोजन कराया गया। बलिया रेलवे स्टेशन पर मंगल पाण्डेय की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान स्टेशन अधीक्षक संजय सिंह,यातयात निरीक्षक,रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक,यातयात निरीक्षक एवं वाणिज्य निरीक्षक समेत स्टेशन के कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक के जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी अशोक कुमार ने बताया कि बलिया रेलवे स्टेशन आज पूरे दिन देश प्रेम विषयक वीडियो फिल्म, देशभक्ति गीत आदि का प्रदर्शन भी किया गया। इसके पूर्व प्रातः आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया के 15 बल सदस्यों द्वारा 5 किमी. की एकता दौड़ का आयोजन किया गया जो आरपीएफ बैरक से प्रारंभ होकर रेलवे कॉलोनी होते हुए एनईएन ऑफिस ,कुंवर सिंह चौराहा, चित्तू पांडे चौराहा , बलिया के सर्कुलेटिंग एरिया होते हुए बलिया के मुख्य प्रवेश द्वार पर आकर समाप्त हुई।

राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार बनारस के पांच खिलाड़ी दिखाएंगे दम

वाराणसी। पदक की हैं उम्मीदेंराष्ट्रमंडल खेलों में में पहली बार बनारस के पांच खिलाड़ी अपना जलवा बिखेरेंगे। बनारस के खिलाड़ियों ने पदक की शुरुआत 2014 में ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स से की थी। इस बार पदक को लेकर बनारस के खिलाड़ियों से सबसे अधिक उम्मीदें हैं। इंग्लैंड में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार बनारस के पांच खिलाड़ी अपना दम दिखाएंगे। यह पहला मौका होगा जब दो महिला और तीन पुरुष खिलाड़ी टीम इंडिया का हिस्सा बनेंगे। इस बार पदक को लेकर भी बनारस के खिलाड़ियों से सबसे अधिक उम्मीदें हैं। खासकर वेटलिफ्टिंग, हॉकी, जूडो और एथलेटिक्स में। क्वालीफाइंग राउंड के मुकाबले शुक्रवार सुबह से शुरू हो रहे हैं। ऐसे में हर किसी की नजर टीम इंडिया के खिलाड़ियों पर रहेगी। राष्ट्रमंडल खेलों में बनारस के खिलाड़ियों ने पदक की शुरुआत 2014 में ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स से की थी। अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर स्वाति सिंह ने कांस्य जीतकर देश का मान बढ़ाया था। बनारस की पूनम यादव ने 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। तीन साल बाद कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 220 किलोग्राम का भार उठाकर 76 किलो भार वर्ग में रजत पदक पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही पूनम को विश्व वेटलिफ्टिंग में सातवां स्थान मिला था। इसके बाद उन्होंने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपनी राह आसान कर दी थी। जूडोका विजय यादव यादव भी राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर देश और बनारस का नाम रोशन करेंगे। एथलेटिक्स में बरेका के रोहित यादव और हॉकी में ओलंपियन ललित उपाध्याय अपना प्रदर्शन दोहराने के लिए मैदान में उतरेंगे। लक्ष्मण अवॉर्डी रमेश यादव ने कहा कि इस बार बनारस के खिलाड़ियों से सभी को बहुत उम्मीदें हैं। भारत का प्रदर्शन इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में बेहतरीन होगा। प्रदर्शन में सुधार के साथ ही हम अधिक से अधिक पदक हासिल करने में सफल होंगे। बरेका खेल संघ के सचिव बहादुर प्रसाद ने कहा कि एथलेटिक्स में रोहित यादव से बहुत उम्मीदें हैं।

वाराणसी में नवरात्र से शिवरात्रि तक गंगा की रेती पर बसेगा तंबुओं का शहर

वाराणसी। मिलेंगी ये सुविधाएंदुनिया के सबसे प्राचीन शहर बनारस में अब तंबुओं का शहर आकार लेगा। गंगा नदी के किनारे अस्सी घाट के सामने 100 हेक्टेयर में टेंट सिटी बसाई जाएगी। वीडीए ने निविदा जारी कर दी है। होगी।पर्यटकों के पैकेज टूर में भी टेंट सिटी नजर आएगी। सुबह-ए-बनारस के साथ ही गंगा किनारे सुबह व शाम मां गंगा की आरती होगी। जेटी के जरिए पर्यटक गंगा में सैर करने के लिए क्रूज व बजरे पर सवार हो सकेंगे। टेंट सिटी

गंगा की लहरों के साथ काशी की अनुपम छटा निहारने का सपना साकार करने के लिए गंगा पार रेती में टेंट सिटी बसाने की कवायद शुरू कर दी गई है। तारांकित होटल की सुविधा के साथ ठहरने की व्यवस्था और वहां अत्याधुनिक सुविधाओं के बीच शहर बसाने के लिए विकास प्राधिकरण ने निविदा जारी कर दी है। उम्मीद है कि नवरात्र से दुनिया भर के सैलानियों को पर्यटन का नया केंद्र मिल जाएगा। फिलहाल वीडीए की ओर से जारी निविदा 17 अगस्त को खोली जाएगी। अविरल गंगा के कल कल ध्वनि के बीच करीब 200 से ज्यादा पर्यटक घर जैसे माहौल में टेंट सिटी का लुत्फ उठा सकेंगे। गंगा नदी के किनारे अस्सी घाट के सामने 100 हेक्टेयर में टेंट सिटी बसाई जाएगी। सैलानियों को तीन तरह की व्यवस्था मिलेगी इसमें अलग-अलग सुविधाओं से युक्त 200 टेंट बनाए जाएंगे। इसमें सैलानियों को तीन तरह की व्यवस्था प्रदान की जाएगी। टेंट सिटी में 900 वर्ग फीट में 20 विला, 450 से 580 वर्ग फीट में 100 सुपर डीलक्स और 250 से 400 वर्ग फीट में 80 डीलक्स कमरे बनाए जाएंगे। इसके साथ ही योग, मेडिटेशन, लाइब्रेरी, आर्ट गैलरी के लिए शांत जगह नवरात्रि के आसपास शुरू होकर शिवरात्रि तक रहेगी गंगा में बाढ़ के समय रेत पर पानी आने के कारण तंबुओं का हटा दिया जाएगा। तंबुओं के इस शहर में पूरी दुनिया में मशहूर बनारसी साड़ी, बनारसी ब्रोकेड, लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी स्टोन कार्विंग के साथ ही जीआई उत्पाद व वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट भी होंगे। पांच कंपनियों ने दिखाई रुचि टेंट सिटी की निविदा से पहले 25 अप्रैल 2022 को एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट में पांच कंपनियों ने रुचि दिखाई थी। इसमें ललूजी एंड संस, अहमदाबाद गुजरात, मे. इयाक वेंचर्स प्रा. लि., अहमदाबाद, गुजरात, मे. प्रेवेज कम्यूनिकेशंस (इंडिया) लि., अहमदाबाद, गुजरात, मे. स्वामी सुखदेवानंद ट्रस्ट परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश, उत्तराखंड, मे. थार कैंपस प्रा. लि., नई दिल्ली ने भागीदारी की थी। विकास प्राधिकरण वाराणसी की उपाध्यक्ष ईशा दुहन ने बताया कि टेंट सिटी की निविदा जारी कर दी गई है और 17 अगस्त को इसे खोला जाएगा। हमारा प्रयास है कि नवरात्र में पर्यटकों को टेंट सिटी की सुविधा मुहैया कराई जाए। इसमें कई कंपनियों ने रुचि दिखाई है। ऐसे में हम इस परियोजना को लेकर आश्वस्त हैं।

बस की छत से टपकने लगा पानी, छाता लगाकर किया सफर

गोरखपुर। गोरखपुर परिक्षेत्र क्षेत्रीय प्रबंधक पीके तिवारी ने कहा कि बस की छत से बारिश का पानी टपकने का वीडियो संज्ञान में है। ऐसी बसों के संचालन पर रोक है। अगर ऐसी बसें चल रही हैं तो उसका संचालन तत्काल बंद कराया जाएगा। बारिश से पहले अधिकांश बसों की मरम्मत कराई गई थी। परिवहन निगम की अधिकतर बसें कबाड़ हो चुकी हैं। इसका उदाहरण गुरुवार को देखने को मिला, जब गोरखपुर से गोला जा रही बस की छत से बारिश के दौरान पानी टपकने लगा। बचने के लिए लोगों ने छाता लगाकर सफर किया। कुछ यात्रियों ने हंगामा भी किया गोरखपुर परिक्षेत्र के राप्तीनगर डिपो की बस यूपी 53 एटी 4101 गोला से गोरखपुर के बीच चलती है। सुबह करीब सात बजे रिमझिम बारिश के बीच आगे बढ़ी, लेकिन जैसे ही बारिश तेज हुई तो पहले तो टूटी खिड़कियों से पानी बस के भीतर आने लगा। बस की छत से भी पानी टपकने लगा। जिनके पास छाता नहीं था, वह पूरी तरह से भीग गए। इस बीच यात्रियों ने हंगामा भी किया और पानी टपकने का वीडियो बनाकर रोडवेज के जिम्मेदारों को भेजने के साथ ही सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद परिवहन निगम गोरखपुर परिक्षेत्र के जिम्मेदारों में हड़कंप मच गया। जिम्मेदार सफाई देते नजर आए। बस में यात्रा करने वाली शिक्षिका सुषमा ने बताया कि राप्तीनगर डिपो की बस में वह सवार हुईं। रास्ते में तेज बारिश होने लगी। पहले टूटी खिड़कियों से पानी की बौछार अंदर आने लगी। इसके बाद छत से पानी टपकने लगा।बस में यात्रियों ने हंगामा करते हुए चालक और परिचालक से शिकायत की तो उन्होंने हाथ खड़े कर दिए। परिचालक का कहना था कि, बस के जर्जर होने की शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

तेजी से बढ़ा गंगा का जलस्तर, 36 घंटों में करीब डेढ़ मीटर बढ़ा पाना

वाराणसी। रतनेश्वर महादेव मंदिर जलमगनगंगा के जलस्तर में तेजी से बढ़ाव हो रहा है। बीते 36 घंटों में पानी करीब डेढ़ मीटर बढ़ गया है और बढ़ाव जारी है। गंगा के पानी का रंग भी मटमैला हो चुका है। रतनेश्वर महादेव मंदिर जलमगन हो चुका है। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव तेज होने से तटवर्ती इलाकों में रहने वालों की धुकधुकी बढ़ गई है। गंगा के जलस्तर में हर घंटे 40 मिलीमीटर की रफ्तार से बढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में हुई 67 मिलीमीटर बरसात से भी बढ़ाव में तेजी आई है। गंगा के जलस्तर की रफ्तार यही रही तो 24 घंटे में घाटों का संपर्क टूट सकता है। सिंधिया घाट स्थित रतनेश्वर

महादेव का मंदिर देर शाम को जलमगन हो गया। देर रात गंगा का जलस्तर 61.44 मीटर दर्ज किया गया। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव तेजी से हो रहा है। बीते 36 घंटों में पानी करीब डेढ़ मीटर बढ़ गया है और बढ़ाव जारी है। गंगा के पानी का रंग भी मटमैला हो चुका है। शीतला घाट के आरती स्थल तक गंगा पहुंच चुकी हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार सुबह आठ बजे तक गंगा के जलस्तर में चार सेंटीमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार थी जो शाम को तीन सेंटीमीटर प्रतिघंटा पहुंच गया। नाविकों ने बताया कि गंगा के जलस्तर की यही रफ्तार रही तो अगले 24 घंटों में घाटों का आपसी संपर्क टूट जाएगा। सप्ताह भर में आरती का स्थल भी बदलना पड़ सकता है। गंगा में बढ़ाव के साथ ही वरुणा में भी पलट प्रवाह शुरू हो गया है। केंद्रीय जल आयोग की बाढ़ बुलेटिन के अनुसार सुबह आठ बजे तक गंगा का जलस्तर 61.14 मीटर था। दोपहर 12 बजे 61.28 मीटर, दो बजे 61.32 मीटर और शाम को छह बजे 61.40 मीटर तक पहुंच गया। 10 घंटे में गंगा का जलस्तर 26 सेंटीमीटर बढ़ गया। रात आठ बजे गंगा का जलस्तर 61.44 मीटर तक पहुंच गया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले चौबीस घंटों में काशी में एक मीटर से अधिक जलस्तर बढ़ेगा। गंगा में बढ़ाव को देखते हुए जल पुलिस और एनडीआरएफ को अलर्ट कर दिया गया है।

ढोल-नगाड़े पर जमकर झूमे आदिवासी राज्यमंत्री की अगुवाई में निकला जुलूस

वाराणसी। राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू की जीत साफ होते ही आदिवासी अंचल में जश्न का सिलसिला शुरू हो चुका है। सोनभद्र में राज्यमंत्री संजीव सिंह

गोंड की अगुवाई में जुलूस निकालकर खुशी मनाई गई। द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनेंगी, यह लगभग तय हो गया है। नतीजे देर शाम तक आने की संभावना है। देश के 15वें राष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को पछाड़ दिया है। पहले राउंड की मतगणना में मुर्मू को 748 में से 540 वोट मिले। जबकि यशवंत सिन्हा को 208 मत मिले। राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मू की जीत साफ होते ही सोनभद्र का आदिवासी समाज खुशी से झूम उठा है। रूझानों में भारी बढ़त मिलने के बाद से ही जश्न का सिलसिला शुरू हो गया। डाला में राज्यमंत्री संजीव सिंह गोंड की अगुवाई में जुलूस निकालकर खुशी मनाई गई। इस दौरान ढोल-नगाड़ों पर आदिवासी खूब थिरके। राज्यमंत्री ने भी खुद ढोल बजाकर आदिवासी समाज के लिए इस गौरवपूर्ण पल की खुशी जाहिर की। जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन के बग्घा नाला स्थित कार्यालय से जुलूस शुरू होकर भाजपा के ओबरा विधानसभा कार्यालय तक पहुंचा। जुलूस में शामिल आदिवासी जमकर थिरके।पारंपरिक वेशभूषा धारण कर आदिवासी संस्कृति के प्रतीक करमा, डोमकच, सइलो नृत्य की भी प्रस्तुति दी। समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री संजीव सिंह गोंड भी उनके साथ थिरकते और वाद्य यंत्र बजाते नजर आए। उनका कहना था कि पूरे आदिवासी समाज के लिए यह गौरव का पल है। देश के सबसे ऊंचे पद पर समाज के दबे-कुचले आदिवासी समाज की महिला आसीन होने जा रही है। 25 जुलाई को नए राष्ट्रपति का शपथग्रहण समारोह होगा।

मामूली बात से नाराज शख्स ने पत्नी और बेटे को कार से रौंदा डाला

गोरखपुर। बोला- कोई पछतावा नहीं गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र के बेलवा गांव में बेटे महावीर गुप्ता (26) को बुधवार देर

रात कार से रौंदकर मौत के घाट उतारने के आरोपी चौथी गुप्ता को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। महावीर थाईलैंड रहता था। चार महीने पहले ही गांव आया था। आरोप है कि चौथी ने पतने मंजू को भी कार से रौंदा था। पतने की हालत गंभीर बनी हुई है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। अभी तक होश नहीं आया। इस मामले में बेटी कंचन गुप्ता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है पुलिस के मुताबिक, बांसगांव के चाड़ी गांव निवासी चौथी गुप्ता दो बेटों के साथ थाईलैंड रहते थे। चार महीने पहले ही बेटों के साथ घर लौटे थे। चौथी की शादीशुदा छोटी बेटी ज्योति भी गांव आई है। ज्योति के बच्चे की तबीयत खराब थी। लिहाजा, पतने मंजू व बेटा महावीर उसे दिखाने डॉक्टर के पास गए। डॉक्टर ने दवा दी और दोबारा उसे देखने के लिए गुरुवार को बुलाया। इस वजह से मंजू अपने बेटे के साथ पिपराइच के बेलवा गांव में रहने वाली बड़ी बेटी कंचन के घर चली गईं। कंचन के घर से डॉक्टर की क्लीनिक नजदीक है।

ओम प्रकाश राजभर को मिली वाई श्रेणी सुरक्षा

वाराणसी। राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार गर्मसुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली है। पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे ने बताया कि शासन के निर्देश पर तीन दिन पहले जहूराबाद विधायक ओमप्रकाश राजभर को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। जहूराबाद विधायक एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को शासन के निर्देश पर वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। इसको लेकर राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म हो चुका है। आमजनों में भी चर्चा है कि सरकार द्वारा राजभर का ख्याल करना कहीं न कहीं आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर नया संकेत है। सुभासपा ने विधानसभा चुनाव में सपा से गठबंधन किया था। इस

दौरान सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने प्रदेश एवं केंद्र सरकार के खिलाफ जहां जमकर हमला बोला था। वहीं चुनाव में जहूराबाद सीट से भारी अंतरों से जीत दर्ज कर विरोधियों को पटखनी दी थी और राजभर समाज के सफल नेतृत्वकर्ता के रूप में खुद को साबित किया था। सपा के खिलाफ मुखर हैं ओमप्रकाश राजभर आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनाव में सपा को मिली करारी हार के बाद से ही वह सपा के खिलाफ मुखर हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को नसीहत देने के साथ ही राष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्ष के प्रत्याशी को समर्थन न देकर एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में खड़े रहे। इधर शासन के निर्देश पर गाजीपुर पुलिस ने उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है ऐसे में आम जनों में चर्चा है कि सुरक्षा देने का मतलब धीरे-धीरे भाजपा से उनकी नजदीकी बढ़ती जा रही है, जो आने वाले लोकसभा में एक नया गुल खिलाने की ओर से इशारा कर रहा है। इस बारे में गाजीपुर पुलिस अधीक्षक रोहन पी बोत्रे ने बताया कि शासन के निर्देश पर तीन दिन पूर्व जहूराबाद विधायक ओमप्रकाश राजभर को वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है।सपा से आजमगढ़ के मुस्लिम नाराज सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर खुलकर सपा पर प्रहार करने लगे हैं।

ठेकेदार पर फायरिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। मिट्टी गिराने के विवाद में मारी थी गोलीवाराणसी के मझमिटिया गांव में मंगलवार देर रात मिट्टी ठेकेदार अनुराग सिंह को गोली मार दी गई थी। बीएचयू स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती अनुराग की हालत नाजुक है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वाराणसी के मझमिटिया गांव में मिट्टी ठेकेदार अनुराग सिंह पर फायरिंग मामले में दो आरोपियों को लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया। वहीं, तीसरे मुख्य आरोपी की तलाश में पुलिस की दो टीमें दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार उसके कई ठिकानों पर छापा मारा गया। कुछ करीबियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।उधर, बीएचयू स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती अनुराग की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। लालपुर-पांडेयपुर थाना अंतर्गत मझमिटिया निवासी अनुराग सिंह (26) को घर के पास ही बदमाशों ने मिट्टी ढुलाई के वर्चस्व में मंगलवार की रात सिर में गोली मारी थी। पिता अनिल की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों में महादेव नगर निवासी गोलू सिंह और मझमिटिया निवासी उदय सिंह उर्फ गोलू को पुलिस ने लालपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

दहेज हत्याः दोषी पति को उम्रकैद 30 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होग

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। साढ़े पांच वर्ष पूर्व हुई सीता उर्फ चंदा हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति सोनू पांडेय को उम्रकैद व 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाने में 2 दिसंबर 2016 को दी तहरीर में बिल्ली मारकुंडी भलुआ टोला निवासिनी फूलवन्ती देवी पतनै धनीलाल ने अवगत कराया था कि उसकी बेटी सीता उर्फ चंदा की शादी चार वर्ष पूर्व ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी भलुआ टोला निवासी सोनू पांडेय पुत्र गोपाल पांडेय के साथ हुआ था। जब बेटी विदा होकर

अपनी ससुराल गई तो वहां पर दहेज में रुपये की मांग को लेकर उसका पति उसे प्रताड़ित करने लगा। जब भी बेटी मायके आती थी तो सारी बात बताती थी, लेकिन उसे गरीबी का हवाला देकर समझा दिया जाता था कि सबकुछ बाद में ठीक हो जाएगा। इस दौरान दो बेटियां भी पैदा हो गई। दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो पति सोनू पांडेय ने 1/2 दिसंबर 2016 की रात में बेटी की हत्या करके उसे फांसी पर लटका दिया। इस तहरीर पर ओबरा पुलिस ने दहेज हत्या में एफआईआर दर्ज कर लिया और पुलिस विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत पाए जाने पर विवेचक ने न्यायालय में पति सोनू पांडेय के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति सोनू पांडेय को उम्रकैद व 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजन अधिकारी विजय यादव ने बहस की।

खरगोन धार जिले मैं हुआ बड़ा हादसा अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरी बस

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। खरगोन धार जिले की सीमा खलघाट नर्मदा पुल से एक यात्री बस अचानक असन्तुलित होकर पुल से निचे जा गिरी जिसमे 55 यात्रियों के सवार होने की बात सामने आई है जहाँ मौजूद आसपास लोगो की मदद से नाविकों ने तेरह लाशो को बाहर किया। बता दे यात्री बस इंदौर से पूना की और जा रही थी इसी समय खलघाट पुल पर यह दर्दनाक हादसा हुआ वही मौके पर खरगोन और धार जिले की पुलिस के साथ राहत दल टीम मौके पर पहुँची और यात्रियों की सर्चिंग जारी है।घटना स्थल पर जबरदस्त लोगो का हुजूम इकट्ठा हो गया वही हादसे को लेकर लोगो में दहसत का माहौल व्याप्त है। इस दौरान कसरावद एअश् संघप्रिय मौके पर पहुँचे उन्होंने बताया की मृतिको को आठ लोगो की पहचान हो चुकी है जो महाराष्ट्र के निवासी है। बताया जा रहा है आठ पुरुष तीन महिला और एक बच्चे की लाश को कब्जे में लेकर सर्चिंग जारी है।

तिरंगे के साथ लेंगे सेल्फी, पोर्टल पर करेंगे अपलोड

सोनभद्र। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 11 अगस्त से 17 अगस्त तक जिले में हर घर तिरंगा कार्यक्रम चलाया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग भी इसमें बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाएगा। इसके मद्देनजर बृहस्पतिवार को क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में जिले के उच्च शिक्षण संस्थानों की बैठक हुई। बैठक में करीब 50 संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने और इसे जन-जन तक पहुंचाने, लोगों के अंदर राष्ट्र प्रेम, राष्ट्र गौरव व स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान की भावना की अलख जगाने का निणय्र लिया गया। राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित बैठक में तिरंगा को अपने-अपने आवासों, कार्यालयों, सरकारी/निजी प्रतिष्ठानों पर फहराने के दौरान सेल्फी लेकर 'हर घर तिरंगा डॉट कॉम' पर अपलोड करने का निणय्र लिया गया। नोडल अधिकारी व ओबरा पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रमोद कुमार ने महाविद्यालयों से कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर डॉ. संतोष सैनी, दुद्धी पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामसेवक, संत कीनाराम पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गोपाल सिंह, डॉ. प्रभात पांडेय, राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ. मुकेश पंत, डॉ. गिरीश, डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. रोहित नंदन पांडेय आदि मौजूद रहे।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **31 जुलाई 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

कांवरियों का जत्था पहुंचा वैष्णो मंदिर, वरिष्ठ पत्रकार डॉ ए के गुप्ता ने सभी कांवरियों को भोजन व दवा की व्यवस्था उपलब्ध कराई

वाराणसी से छत्तीसगढ़ 360 किलोमीटर की कांवरियों की महायात्रा, 110 किलोमीटर की यात्रा कर पहुचा वैष्णो मंदिर

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। राष्ट्रपति द्वारा वीरता पुरस्कार से सम्मानित सैनिक राम कुमार टोपों के नेतृत्व में वाराणसी काशी से जल उठा कर 60 कांवरियों का जत्था सरगुजा छत्तीसगढ़ के मैनपार ब्लॉक में स्थित चुरकीपानी की विशाल शिवलिंग में जलाभिषेक हेतु कावड़ यात्रा के दौरान अभी तक 110 किलोमीटर की टोटल यात्रा कर डाला स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर में पहुंचे है। उक्त बातें सैनिक रामकुमार टोंपो ने कही। श्री टोपो ने कहा कि वाराणसी से चुरकी पानी की दूरी लगभग 360 किलोमीटर है इस अभियान का नाम महायात्रा 360 रखा गया है जिसमें सभी कावडि़यों द्वारा पदयात्रा करते हुए 10 दिनों में अपने गंतव्य स्थान पहुंचेंगे। इस महा यात्रा में 19 पड़ाव चिन्हित किया गया है। जहां जहां कावडि़यों का जत्था पहुंचा है, रुका है। वहां के लोगों ने भरपूर सहयोग प्रदान करते हुए इस महा अभियान की सफलता की तारीफ करते हुए यात्रा को सफल होने हेतु अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। इसी के तहत आज 17 जुलाई दिन मंगलवार को सभी कांवरियों मां वैष्णो देवी मंदिर डाला सोनभद्र धाम पर पहुंचा है सभी कांवरियों व भक्तों के लिए दोपहर के भोजन चाय पानी दवा की सारी व्यवस्था वरिष्ठ पत्रकार एवं ऑल इंडिया रौनियार वैश्य समाज के संस्थापक/अध्यक्ष डॉ ए के गुप्ता (रौनियार) के द्वारा काफी अच्छी व्यवस्था की गई थी। कांवरियों के साथ-साथ काफी श्रद्धालुओं ने भी भोजन किया। मां शारदा शक्ति पीठ धाम बारी डाला की कमेटी व पदाधिकारियों का भी पूरा सहयोग मिला। मां वैष्णो देवी का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भोजन व विश्राम के उपरांत सभी कावडि़यों का दल बोल बम का नारा लगाते हुए अपने अगले पड़ाव हाथीनाला की ओर प्रस्थान किया। डॉ ए के गुप्ता ने कहा कि वाराणसी से छत्तीसगढ़ की 360 किलोमीटर की पैदल महायात्रा बहुत ही कठिन यात्रा है किंतु बाबा भोलेनाथ और माता वैष्णो के आशीर्वाद से सभी कांवरियों का मन काफी उत्साहित है। आदमी औरतें लड़कियों के पैरों में काफी छाला पड़े होने के बावजूद भी यह महायात्रा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सभी कांवरियों के लिए भोजन के साथ साथ प्राथमिक उपचार हेतु दवा की सारी व्यवस्था की गई थी। उक्त अवसर पर शिव शंकर गुप्ता (रौनियार) चंदन कुमार गुप्ता, सुभाष मित्तल, परसोत्तम मित्तल, महावीर सेठ, राजकुमार सेठ, रामानंद, अंकित रावत, शंकर मौर्य, दिनेश अग्रहरि, विशाल अग्रहरी, मंटू सिंह समस्त मंदिर कमेटी सदस्य के साथ-साथ महायात्रा 360 में सैनिक रामकुमार टोंपो, संतोष कुमार गोस्वामी, पार्वती गोस्वामी, राजेश्वर गुप्ता, संजय एक्का, विराट मोये, कविता तिर्की, अंजू गुप्ता, मनोज गुप्ता, रवि गोस्वामी आदि समस्त कांवरिया दल के लोग शामिल रहे।

सोन नदी से अवैध बालू लोड करते समय ट्रैक्टर व बाइक धराया खन्न करता में हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। पुलिस द्वारा गस्त के दौरान अवैध बालू खनन में संलिप्त बालू लोड ट्रैक्टर को बाड़ी स्थित गोरादह सोन नदी से पकड़कर कार्रवाई के लिए वन विभाग को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस टीम कि इस कार्रवाई से अवैध खनन कर्ताओं में हड़कंप मच गया। ओबरा वन प्रभाग क्षेत्र के डाला रेंज अन्तर्गत गोरादह सोन नदी से आज बुधवार कि अल सुबह लगभग चार बजे ट्रैक्टर से अवैध बालू खनन होने कि सूचना मिलते बताया कि रात्रि गस्त के दौरान मुखबिर द्वारा सुचना मिलते ही हमराहियों के साथ सोन नदी किनारे मौके पर जाकर छापेमारी की गई जंहा से पुलिस टीम देखते ही अवैध खनन में संलिप्त लोग मोटरसाइकिल व ट्रैक्टर छोड़कर भाग गए। नजदीक जाकर देखा तो ट्रैक्टर कि बैट्री अवैध खनन कर्ताओं द्वारा निकाल लिया गया था वाहन को स्टार्ट करने के लिए दूसरी बैट्री मगांकर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर समेत एक मोटरसाइकिल को चौकी परिसर में खड़ा कराने

ही गस्त पर निकले चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर अपने फोर्स के साथ मौके पर जा पहुंचे जंहा पुलिस टीम को देखते ही अंधेरा का फायद उठाकर चालक व अवैध खननकर्ता बालू लदे ट्रैक्टर समेत एक मोटरसाइकिल छोड़कर भाग निकले। वहीं चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर ने के बाद वन विभाग को सपूर्द कर दिया गया।इस संबंध में वन विभाग के दरोगा त्रिलोकी दूबे ने बताया की उक्त ट्रैक्टर पर विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान टीम में चौकी प्रभारी के साथ, प्रमेन्दर राय, दीपक वर्मा व अशोक बिन्द शामिल रहे।

गुरमुरा में अज्ञात व्यक्ति का शव का किया गया पहचान

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमुरा रेलवे स्टेशन लगभग लगभग 200 मीटर दूर झाड़ी में

अज्ञात शव मिला था जिसको लेकर चोपन थाना व डाला पुलिस ने जांच में जुटी रही जिसके उपरांत डाला चौकी प्रभारी के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया था जिससे मृतक के परिजनों को मिली और परिजनों ने डाला चौकी पहुंचकर फोटो में जुता कपड़ा के आधार पर पहचान करते हुए मृतक की पतनै गीता ने बताया कि हम अपने पति के साथ मायके गुरमुरा जुडवानी में ज्यादा तर रहते थे और बिते मंगलवार को दोपहर में हमारे पति दुर्गा प्रसाद पुत्र भोला निवासी लक्ष्मण नगर डाला यह कहकर घर से निकले की मै घर डाला जा रहा हूं लेकिन शाम तक डाला नहीं पहुंचने पर हम बहुत खोजबीन कर रहे थे कि किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा बताया गया कि एक आदमी रेलवे लाइन के पास मिला है जिसको लेकर हम लोग आठ डाला चौकी पहुंचकर फोटो और जूता देखकर पहचान किए और हमारे सामने यह मामले सामने आ गया। परिवार में एक लड़का अशोक उम्र लगभग छः वर्ष एक लड़की चंदा कुमारी उम्र चार वर्ष है जिससे उपरांत पुलिस अग्रीम कारवाई में जुटी।

धन की कमी से दम नहीं तोड़ेंगी खेल प्रतिभाएं

सोनभद्र। धन की कमी से अब खेल प्रतिभाएं दम नहीं तोड़ेंगी। प्रतिभाशाली खिलाडियों को तराशने के लिए शासन ने एकलव्य क्रीड़ा कोष तैयार किया है। विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को इस कोष से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मदद चाहने वाले खिलाडियों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक खिलाड़ी किसी भी कार्य दिवस में जिला खेल कार्यालय में आवेदन दे सकते है। पात्रता की जांच के बाद उन्हें योजना से लाभान्वित किया जाएगा। खेल और खिलाडियों को प्रोत्साहन, संवर्द्धन पर सरकार का विशेष जोर है। ग्रामीण क्षेत्र में तमाम खिलाड़ी सिर्फ इसलिए आगे नहीं बढ़ पाते कि उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अभिभावक सक्षम नहीं होते। अपने खेल को जैसे-तैसे आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष करते यह खिलाड़ी टूट जाते हैं या फिर दूसरी दिशा पकड़ लेते हैं।

श्रीलंका ने टी20 एशिया कप की मेजबानी करने से किया इनकार भारत या यूएई में हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली। आर्थिक संकट की वजह से ही लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के तीसरे संस्करण को भी स्थगित कर दिया गया है। एसीसी के सूत्रों के अनुसार श्रीलंका ने कहा है कि उसके यहां के हालात बहुत खराब है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने एशिया कप 2022 कि आर्थिक और राजनीतिक कारणों से वह टी20 एशिया कप की मेजबानी करने की स्थिति में नहीं हैं। आर्थिक संकट की वजह से ही लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के तीसरे संस्करण को भी स्थगित कर दिया गया है। एसीसी के सूत्रों के अनुसार श्रीलंका ने कहा है कि किसी देश में कराने के लिए तैयार हैं। टी20 विश्वकप से पहले इसी साल अगस्त-सितंबर में होने वाले एशिया कप को लेकर एसीसी अगले कुछ दिनों में बड़ा एलान कर सकता है। एसीसी के सूत्रों के मुताबिक, भारत या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिल सकता है। एसीसी के सूत्रों के मुताबिक, यूएई पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। कोई दूसरा देश भी मेजबान बन सकता है। भारत में टूर्नामेंट होने की संभावना काफी ज्यादा है, क्योंकि एसीसी और श्रीलंका क्रिकेट को टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से बात करनी होगी और उनसे अंतिम स्वीकृति लेनी होगी। वहीं, एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह है। जय शाह बीसीसीआई के सचिव भी हैं। ऐसे में भारत में टूर्नामेंट के आयोजन के लिए ज्यादा पेंच नहीं उलझेगा। अगर ऐसा हुआ तो फैन्स को भारत-पाकिस्तान हाईवोल्टेज मैच यहीं देखने को मिल सकता है। साथ ही भारतीय टीम के पास टी-20 वर्ल्ड कप में मिली हार का बदला लेने का भी मौका होगा।

टी20 क्रिकेट की मेजबानी से इनकार कर दिया है। श्रीलंका क्रिकेट ने बुधवार को एशिया क्रिकेट परिषद (एसीसी) को इसकी जानकारी दे दी है। उन्होंने बताया उसके यहां के हालात बहुत खराब हैं। वह छह टीमों के इतने बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी करने की स्थिति में नहीं है। एसएलसी (एष्ब) ने कहा कि वह इस टूर्नामेंट को

पाकिस्तान की श्रीलंका पर जीत से भारत को हुआ फायदा

नई दिल्ली। टेबल में हुआ बड़ा बदलाव, जानेंगॉल टेस्ट खत्म होने के बाद पाकिस्तान के 56 अंक और 58.33 प्वाइंट पर्सेंटेज हैं। पाकिस्तान ने इस डब्लूटीसी साइकिल में अब तक कुल छह टेस्ट खेले हैं। इसमें से टीम ने चार मैच जीते हैं और दो में टीम को हार का सामना करना पड़ा है पाकिस्तान ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को चार विकेट से हरा दिया और दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इस जीत के साथ पाकिस्तान को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी/) में भी फायदा हुआ है। टीम एक स्थान की छलांग लगाकर डब्लूटीसी टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, श्रीलंका को तीन स्थान का नुकसान उठाना पड़ा। श्रीलंकाई टीम तीसरे से छठे स्थान पर पहुंच गई है। श्रीलंका-पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले श्रीलंकाई टीम 52 प्वाइंट और 54.17 प्वाइंट पर्सेंट के साथ तीसरे स्थान पर थी। वहीं, पाकिस्तान की टीम 44 अंक और 52.38 प्वाइंट पर्सेंट के साथ चौथे स्थान पर थी। अब गॉल टेस्ट खत्म होने के बाद पाकिस्तान के 56 अंक और 58.33 प्वाइंट पर्सेंटेज हैं। पाकिस्तान ने इस डब्लूटीसी साइकिल (2021-23) में अब तक कुल छह टेस्ट खेले हैं। इसमें से टीम ने चार मैच जीते हैं और दो में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, श्रीलंका के अंक 52 ही है, लेकिन प्वाइंट पर्सेंटेज में गिरावट आई है। श्रीलंका का प्वाइंट पर्सेंटेज 48.15 हो गया है। टीम ने अब तक आठ टेस्ट खेले हैं। इसमें से श्रीलंका को चार में जीत मिली और चार में हार का सामना करना पड़ा।पाकिस्तान की जीत से टीम इंडिया को भी काफी फायदा हुआ है। इसी महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की हार और ऑस्ट्रेलिया पर श्रीलंका की जीत के बाद भारतीय टीम को काफी नुकसान हुआ था। टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल में चौथे से पांचवें स्थान पर लुढ़क गई थी। अब पाकिस्तान की जीत से भारत वापस चौथे स्थान पर पहुंच गया है। टीम के 75 अंक हैं और उसका प्वाइंट पर्सेंटेज 52.08 है। भारत को फिलहाल कोई टेस्ट नहीं खेलना है टीम इंडिया ने अब तक 12 टेस्ट खेले हैं। इसमें से छह में भारतीय टीम को जीत मिली और चार में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत को अब टी-20 वर्ल्ड कप से पहले कोई टेस्ट नहीं खेलना है। वहीं, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अगर पाकिस्तान दोनों मैच जीतने में कामयाब होता है तो वह भारत से प्वाइंट पर्सेंटेज में अच्छी बढ़त हासिल कर लेगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में सबसे ऊपर दक्षिण अफ्रीका की टीम है। दक्षिण अफ्रीका के पास 60 अंक और 71.43 प्वाइंट पर्सेंटेज है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर है। उसके पास फिलहाल 84 अंक है, जबकि उसका प्वाइंट पर्सेंटेज 70 है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस डब्लूटीसी साइकिल में 10 टेस्ट खेले हैं।

एक हफ्ते बाद ही बुमराह ने गंवाया नंबर-1 का ताज

नई दिल्ली। टॉप-10 ऑलराउंडर्स में पांड्या की एंट्रीटीमों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड वनडे में टॉप पर बना हुआ है। वहीं, इंग्लैंड दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। पाकिस्तान चौथे और ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर काबिज है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी/छण्) ने ताजा वनडे रैंकिंग जारी कर दी है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। पिछले हफ्ते ही बुमराह ने पहला स्थान हासिल किया था। हालांकि, अब न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट उन्हें पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। दोनों के बीच बस एक रेटिंग अंक का अंतर है। बोल्ट के 704 प्वाइंट्स है, जबकि बुमराह के 703 प्वाइंट्स है। वहीं, हार्दिक पांड्या ताजा आईसीसी वनडे रैंकिंग में ऑलराउंडरों की सूची में 13 स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। हार्दिक ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया था। वह प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे थे। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में हार्दिक ने चार विकेट लेने के साथ-साथ 71 रन भी बनाए थे और टीम इंडिया को जीतने में मदद की थी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीती थी। स्टार तेज गेंदबाज बुमराह पीठ में समस्या के कारण आखिरी वनडे में नहीं खेले थे। यही वजह रही कि ताजा रैंकिंग में उन्हें अपना शीर्ष स्थान गंवाना पड़ा। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में सात विकेट चटकाने वाले युजवेंद्र चहल चार पायदान की छलांग के साथ गेंदबाजों में 16वें स्थान पर पहुंच गए है।

राशीफल

मेष-: आज उद्यमी और व्यवसायी व्यस्त रहेंगे और सफल भी होंगे। वेतनभोगी लोगों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है।

वृष-: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा होगा। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आएगा। जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा।

मिथुन-: आज आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा क्योंकि आपका प्रिय आपके लिए ढेर सारी खुशियों का कारण साबित होगा। कोई खास काम कल के लिए छोड़ा जा सकता है।

कर्क-: यात्रा अधिक हो सकती है। आपको अपने वरिष्ठों और अधिकारियों से मदद और पुरस्कार मिल सकता है। कार्यस्थल पर आप प्रशंसा के पात्र होंगे, जिससे आपकी संतुष्टि

सिंह-: आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। किसी काम में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद मिल सकती है। परिवार के साथ मूवी प्लान कर सकते हैं।

कन्या-: आज ऑफिस में प्रेम प्रसंग की संभावना आपको अपने काम से दूर ले जा सकती है, हालांकि, आपको अपनी एकाग्रता वापस लाने की आवश्यकता है। एकतरफा लगाव आपकी खुशिया

तुला-: आज आपको व्यापार और आर्थिक दृष्टि से कुछ निराशा का अनुभव हो सकता है। आपके शत्रु आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आपकी आय कम हो सकती है और आपका निवेश रुक

वृश्चिक-: आज का दिन आपका सबसे अच्छा रहेगा। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में काफ

धनु-: आज आप किसी धार्मिक कार्य में संलग्न हो सकते हैं, जिससे आपकी सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि संभव है। आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा और आप मानसिक रूप

मकर-: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। काम से जुड़ी कोई बड़ी चुनौती आपके सामने आएगी। साथ ही आप इसमें सफल भी होंगे। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कुंभ-: आज दोस्तों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। किसी पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएं।

मीन-: तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

खराब फॉर्म से जूझ रहे कोहली के लिए पोंटिंग का खास मैसेज

नई दिल्ली। कहा- अगर मैं कप्तान या कोच होता तो पोंटिंग को डर है कि कोहली को विश्वकप की टीम से बाहर न कर दिया जाए। यदि ऐसा होता है तो कोहली के लिए मुश्किल होगी। कोहली तीन साल से भारत के लिए कोई शतक नहीं लगा सके हैं। वह इस वर्ष आईपीएल में भी रनों के लिए तरसते रहे।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने आईसीसी रिव्यू के दौरान कहा- कोहली की फॉर्म वापसी के लिए उनकी मदद के लिए नए तरीके खोजने चाहिए। विराट से कभी ओपनिंग कराई जाती है तो कभी तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है। विराट ने लंबे समय तक भारत के लिए और आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की है। पोंटिंग ने कहा- बल्लेबाजी क्रम में कोहली को एक स्थिति देनी चाहिए। अगर मैं भारतीय टीम का कप्तान या कोच होता तो कोहली से कहता यह आपकी जगह है और बदलने वाली नहीं है। अपने आप पर विश्वास कर कड़ा अभ्यास कीजिए। पोंटिंग ने कहा- कोहली को फिर से अपने पुराने रूप में लाने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन की बड़ी भूमिका होगी। इसके साथ ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने भारतीय चयनकर्ताओं को भी सुझाव दिया। पोंटिंग ने चयनकर्ताओं को सुझाव दिया है कि वे विराट के लिए टीम में बल्लेबाजी क्रम तलाशें और टी-20 विश्वकप के लिए एक निश्चिंतता दें। उन्होंने विश्वास जताया कि कोहली फॉर्म फिर से वापस आ जाएंगे।

लगा सके हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने विराट कोहली के फॉर्म पर बयान दिया है। उन्होंने कोहली और भारतीय टीम मैनेजमेंट को सलाह भी दी है। पोंटिंग का कहना है कि भारत को विराट कोहली की मदद करने की जरूरत है। उनका बल्लेबाजी क्रम बार-बार बदलने के बजाय भारतीय टीम प्रबंधन को चाहिए कि उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए। पोंटिंग को डर है कि कोहली को विश्वकप की टीम से बाहर न कर दिया जाए। यदि ऐसा होता है तो कोहली के लिए मुश्किल होगी। कोहली तीन साल से भारत के लिए कोई शतक नहीं लगा सके हैं। वह इस वर्ष आईपीएल में भी

दक्षिण अफ्रीका में होगा मिनी आईपीएल, चेन्नई मुंबई सहित छह आईपीएल फ्रेंचाइजी बना रहीं टीम

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट लीग में आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी टीम बना रही हैं। इनमें मुंबई इंडियंस, चेनन्ई सुपरकिंग्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में अगले साल ले नई टी20 लीग की शुरुआत हो रही है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका इसका आयोजन साल की शुरुआत में ही कर सकता है। इस लीग में आईपीएल टीमों के मालिकों ने भी काफी रुचि दिखाई है। इसके बाद माना जा रहा है कि यह लीग मिनी आईपीएल बन सकती है। हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों के बिना आईपीएल जैसी लीग की कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन टीम के मालिक वही होंगे, जो आईपीएल में होते हैं। साथ ही विदेशी खिलाड़ी भी इस लीग में खेलेंगे। इस लीग में फ्रेंचाइजी की नीलामी बुधवार 13 जुलाई को बंद हो गई और माना जा रहा है कि आईपीएल की टीमों ने इस लीग में जमकर निवेश किया है। स्पोर्ट्स वेबसाइट के अनुसार, मुंबई इंडियंस के अंबानी परिवार, चेनन्ई सुपर किंग्स के एन. श्रीनिवासन, दिल्ली कैपिटल के पार्थ जिंदल, सनराइजर्स हैदराबाद के मारन परिवार, लखनऊ सुपर जायंट्स के संजीव गोयनका और राजस्थान रॉयल्स के मनोज बडाले ने इस लीग में छह फ्रेंचाइजी खरीदी है। यह लीग अगले साल की शुरुआत में होने वाली है।हालांकि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड यह कहता रहा है कि फ्रेंचाइजी के चयन की घोषणा महीने के अंत में ही की जाएगी, वेबसाइट ने पुष्टि की कि आईपीएल टीम के मालिकों को सूचित कर दिया गया है कि बोली में उन्हें फ्रेंचाइजी मिल चुकी है। साथ ही उनसे शहरों के बारे में उनकी पसंद के बारे में पूछा गया है। केप टाउन में होगी मुंबई की टीममुंबई इंडियंस केप टाउन में अपनी टीम बनाने के लिए तैयार है। एमएस धोनी की चेनन्ई सुपर किंग्स को जोहानिसबर्ग में स्थित फ्रैंचाइजी दिए जाने की संभावना है।

22 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज करियर के शुरुआती छह टेस्ट में जावेद मियांदाद को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। जानेंशफीक ने अब तक पाकिस्तान के लिए छह टेस्ट खेले हैं और इसकी 11 पारियों में 80 की औसत से 720 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और चार अर्धशतक हैं। 160 रन टेस्ट में उनका हाईएस्ट स्कोर भी है। पाकिस्तान ने श्रीलंका को पहले टेस्ट में हरा दिया है। पाक टीम ने 342 रन के लक्ष्य को पांचवें दिन ही हासिल कर लिया। इस जीत में पाकिस्तान के ओपनर अब्दुल्लाह शफीक का अहम योगदान रहा। उन्होंने दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए 160 की मैच जिताऊ पारी खेली। इस पारी के साथ ही शफीक ने टेस्ट क्रिकेट में अपना दबदबा जारी रखा है। शफीक ने अब तक पाकिस्तान के लिए छह टेस्ट खेले हैं और इसकी 11 पारियों में 80 की औसत से 720 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और चार अर्धशतक हैं। 160 रन टेस्ट में उनका हाईएस्ट स्कोर भी है। शुरुआत छह टेस्ट के बाद बाकी क्रिकेटरों से शफीक की तुलना की जाए तो वह पांचवें नंबर पर हैं। इस मामले में उन्होंने अपने ही देश के जावेद मियांदाद जैसे पूर्व दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया।मियांदाद ने अपने शुरुआती छह टेस्ट मैचों के बाद 10 पारियों में 72.44 की औसत से 652 रन बनाए थे। वहीं, शुरुआत छह टेस्ट के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के नाम हैं। गावस्कर ने शुरुआती छह टेस्ट की 12 पारियों में 101.33 की औसत से 912 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर 862 रन के साथ ऑस्ट्रेलिया के लीजेंड डॉन ब्रैडमैन हैं।

यूजर ने शेयर किया पंत का दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते वीडियो

नई दिल्ली। लोग बोले- ये तो धोनी हैएक सोशल मीडिया यूजर ने पंत द्वारा खेली गई 125 रन की पारी को एडिट किया है। उस यूजर ने पंत के बैटिंग स्टाइल को एडिट करके उल्टा कर दिया है। यानी बाएं हाथ के पंत वीडियो में दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं। भारत ने इंग्लैंड को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से हरा दिया। तीसरे वनडे में टीम इंडिया के लिए ऋषभ पंत ने नाबाद 125 रन की जबरदस्त पारी खेली। इस पारी ने पूर्व क्रिकेटर्स से लेकर फैन्स तक सबका दिल जीत लिया। अपनी पारी के दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज पंत ने कुछ ऐसे शॉट्स लगाए, जिसने सभी को हैरान कर दिया, लेकिन सोचिए अगर पंत दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते तो उनका अंदाज कैसा होता? इंग्लैंड के खिलाफ जो 125 रन की पारी पंत ने खेली, वह अगर आपको दाएं हाथ के पंत से देखने को मिल जाए, तो कैसा रहेगा। जी हां, हम आपको कुछ ऐसा ही वीडियो दिखाने जा रहे हैं। दरअसल, एक यूजर ने पंत द्वारा खेली गई 125 रन की पारी को एडिट किया है। उस यूजर ने पंत के बैटिंग स्टाइल को एडिट करके उल्टा कर दिया है। यानी बाएं हाथ के पंत वीडियो में दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं। एडिटिंग की वजह बॉलर भी उल्टे हाथ से गेंदबाजी करता दिख रहा है। सौरभ नाम के सोशल मीडिया यूजर ने यह वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया है। इस वीडियो पर तीन लाख से भी ज्यादा व्यूज आ चुके हैं। इस वीडियो में पंत की बैटिंग स्टाइल को देखकर लोगों को महेंद्र सिंह धोनी (एमएस धोनी) की याद आ गई। लोगों ने कमेंट कर लिखा कि यह तो विंटेज (पुराने) धोनी है। पंत दाएं हाथ से जो पुल और बैठकर शॉट लगाते दिखे, उसमें धोनी की झलक दिख रही थी। पंत हाइट में धोनी से थोड़े छोटे हैं, लेकिन उनकी वेशभूषा बिल्कुल धोनी जैसी ही है।कुछ लोगों ने ट्वीट कर यह भी लिखा कि पहला शॉट तो पूरी तरह से धोनी जैसा था। पंत को धोनी का चेला भी कहा जाता है। पंत बतौर कप्तान पहली बार धोनी के खिलाफ आईपीएल 2020 में खेले थे। दिल्ली कैपिटल्स ने उस मैच में चेनन्ई सुपर किंग्स को हरा दिया था। इस पर लोगों ने यह भी कहा था कि चेले ने गुरु के खिलाफ जीत हासिल की। पंत कई बार धोनी से टिप्स लेते दिख जाते हैं। इतना ही नहीं वह खुद को धोनी का फैन भी बताते हैं। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 113 गैंदों में 125 रन की नाबाद पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 16 चौके और दो छक्के लगाए। पंत का यह वनडे करियर का पहला शतक था। इंग्लैंड ने 260 रन का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में भारत ने 77 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद पंत और हार्दिक पांड्या (71) ने मिलकर टीम इंडिया को पांच विकेट से जीत दिलाई थी।

अगले महीने तीन वनडे मैच खेलने जिम्बाब्वे जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। राहुल कर सकते हैं कप्तानीजिम्बाब्वे दौरा आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा होगी। अगले साल भारत में होने वाले विश्वकप के लिए 13 टीमें इसी लीग से तय होंगी। जिम्बाब्वे इस समय 13 टीमों के पूल में 12वें नंबर पर है। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 18, 20 और 22 अगस्त को हरारे में तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। संभावना है कि इस दौरे पर केएल राहुल टीम को लीड करेंगे। जिम्बाब्वे दौरा आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा होगी। अगले साल भारत में होने वाले विश्वकप के लिए 13 टीमें इसी लीग से तय होंगी। जिम्बाब्वे इस समय 13 टीमों के पूल में 12वें नंबर पर है। भारतीय टीम पिछले छह साल में पहली बार जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। टीम ने पिछली बार जिम्बाब्वे का दौरा 2016 में एमएस धोनी की अगुवाई किया था। इसमें तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेले थे। भारतीय टीम के दौरे से पहले जिम्बाब्वे बांग्लादेश की मेजबानी करेगा। भारत ने हाल ही में इंग्लैंड दौरा समाप्त किया है। टी-20 और वनडे सीरीज में टीम इंडिया ने जीत हासिल की। इसके बाद 22 जुलाई से टीम इंडिया वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। विंडीज दौरा सात अगस्त को समाप्त होगा। इसके बाद भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। अगले महीने एशिया कप भी खेला जाना है।

सम्पादकीय

गॉड पार्टिकल का रहस्य और हमारे अस्तित्व की कहानी

आखिर इस सृष्टि का निर्माण कैसे हुआ इस यूनिवर्स की अद्भुत इंजीनियरिंग के पीछे किसका हाथ है क्या इस जगत का कोई निर्माता है या ये ब्रह्मांड रेंडमली कुछ नहीं से सब कुछ बना ये सवाल आज भी रहस्य हैं। वहीं ज्यों-ज्यों इंसान की समझ बढ़ती जा रही है। वह कुदरत की इस अद्भुत बनावट के पीछे के रहस्य को खंगालता जा रहा है। बिग-बैंग थ्योरी के अनुसार 13.8 अरब साल पहले हमारा यह ब्रह्मांड एक छोटे से एटम जितने बिंदू में कैद था। अचानक हुए एक महाविस्फोट के बाद ये जगत अस्तित्वमान हुआ। बिग-बैंग के बाद पूरे यूनिवर्स में केवल ऊर्जा थी शुद्ध ऊर्जा। समय के साथ-साथ अचानक ये ऊर्जा पदार्थ में बदलने लगी। इसी के चलते स्टार, प्लेनेट, नेबूला, गैलेक्सीज का निर्माण होने लगा। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अचानक बिग-बैंग के बाद की शुद्ध ऊर्जा कैसे अपने आप को पदार्थ के रूप में बदलने लगी इसके पीछे का कारण क्या था यहीं पर जन्म होता है हिग्स बोसोन और हिग्स फील्ड का। हमारे इस खूबसूरत ब्रह्मांड के पीछे हिग्स फील्ड की इंजीनियरिंग ही काम कर रही है। हिग्स फील्ड के कारण ही बिग-बैंग के बाद जन्मी शुद्ध ऊर्जा पदार्थ बन पाई। आज हमारे अस्तित्व के पीछे की वजह हिग्स फील्ड ही है। क्या है गॉड पार्टिक बिग बैंग के बाद जब ब्रह्मांड धीरे-धीरे ठंडा होने लगा। उस दौरान अचानक हिग्स फील्ड अस्तित्व में आ गई। मानो कुदरत ने किसी बड़े मैकेनिज्म के एक लीवर को खींच दिया हो, जिसके चलते हिग्स फील्ड हमारे यूनिवर्स में काम करने लगी। हिग्स फील्ड आने के बाद भार रहित (ईंथे) यानी प्रकाश की गति से चलने वाले कुछ कण इस फील्ड से इंटरैक्ट करने लगे। इस इंटरेक्शन के कारण उनमें भार आने लगा। वहीं फोटोन जैसे कुछ कण अभी भी हिग्स फील्ड के साथ इंटरैक्ट नहीं कर रहे थे। वे अभी भी ऊर्जा के बंडल ही थे। हिग्स फील्ड के साथ इंटरेक्शन से बड़े पैमाने पर ब्रह्मांड में पदार्थ बनने लगे। बाद में आगे चलकर इन्हीं पदार्थों से ग्रहों, तारों, निहारिकाएं आदि का निर्माण हुआ। अगर उस समय हिग्स फील्ड अस्तित्व में न आई होती, तो इस जगत में किसी कण में भार नहीं होता। भार न होने के कारण वे सभी लाइट की स्पीड पर गति कर रहे होते। ऐसे में न पदार्थ का निर्माण होता और न ही तारे या आकाशगंगाएं होतीं। ऐसा कहें कि आज हमारे होने के पीछ हिग्स फील्ड का बहुत बड़ा हाथ है।जेनेवा के सर्न में वैज्ञानिक गॉड पार्टिकल की खोज में ठीक उन्हीं परिस्थितियों को पैदा कर रहे हैं, जिस समय ब्रह्मांड बिग-बैंग के बाद ठंडा हुआ था और ऊर्जा के कुछ पार्टिकल्स में हिग्स फील्ड के साथ इंटरैक्ट करने के बाद भार आ रहा था। इसी गुत्थी को सुलझाने के लिए वैज्ञानिकों ने एक खास मशीन बनाई जिसका नाम द लार्ज हेड्रोन कोलाइडर है। वैज्ञानिकों का मानना था कि अगर प्रोटोन जैसे चार्ज्ड पार्टिकल्स को भारी ऊर्जा के साथ टकराया जाए, तो इनके टाकराने से हिग्स फिल्ड में हलचल पैदा होगी। इस हलचल में जन्म लेगा हिग्स बोसोन साल 2012 में जेनेवा के ॅिं में 27 किलोमीटर लंबी मशीन द लार्ज हेड्रोन कोलाइडर में प्रोटोन के पार्टिकल्स को प्रकाश की 99.99 प्रतिशत गति के साथ टकराया गया। इस टक्कर में जबरदस्त मात्रा में ऊर्जा निकली। इसी दौरान वैज्ञानिकों को पहली बार हिग्स बोसोन के बारे में पता चला। इस एक्सपेरिमेंट ने हिग्स फील्ड के सिद्धांत को प्रमाणित कर दिया। हिग्स फील्ड के सिद्धांत को साल 1964 में पीटर हिग्स ने दिया था। इस थ्योरी के सच साबित होने के बाद साल 2013 में पीटर हिग्स को भौतिकीशास्त्र के नोबेल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। हिग्स बोसोन और हिग्स फील्ड में अंतर हमारे इस ब्रह्मांड में चार फंडामेंटल फोर्स हैं। इनमें इलेक्ट्रोमैगनेटिज्म, स्ट्रॉन्ग न्यूक्लिअर, वीक न्यूक्लिअर और ग्रैविटी शामिल हैं। इन सभी फोर्सेस के कैरियर होते हैं, जैसे इलेक्ट्रोमैगनेटिज्म का फोटोन, वीक न्यूक्लिअर का और बोसोन्स, स्ट्रॉन्ग न्यूक्लिअर का ग्लूओन, ग्रैविटी का ग्रैविटोन। ठीक उसी तरह हिग्स फील्ड का कैरियर हिग्स बोसोन होता है। विज्ञान के क्षेत्र में हुई इस क्रांतिकारी खोज का एक बड़ा नाता भारत से जुड़ा है। हिग्स बोसोन पार्टिकल का नाम दो बड़े वैज्ञानिकों के नाम से मिलकर बना है। इसमें पहला नाम पीटर हिग्स का शामिल है। वहीं दूसरा नाम भारत के महान वैज्ञानिक सत्येंद्र नाथ बोस का है।

भारत और अमेरिका के रिश्ते का अमृत वर्ष

हर दौर में देखे कई उतार चढ़ावअमेरिकी रक्षा निर्यात 20 अरब डॉलर को पार कर गया है, जो बढ़ते रक्षा सहयोग को रेखांकित करता है। पहली बार भारत ने अमेरिका से 14 अरब डॉलर का गैस एवं तेल आयात किया है। वर्ष 2021-22 में अमेरिका चीन को पछाड़कर भारत का सबसे बड़ा

व्यापारिक भागीदार बन गया है। द्विपक्षीय व्यापार 119.42 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। जब अमेरिकी प्रकृतिवादी, कवि और दार्शनिक हेनरी डेविड थोरो ने 1849 में अपना प्रसिद्ध निबंध सविनय अवज्ञा लिखा, तो उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि यह छह दशक बाद एक भारतीय वकील मोहनदास करमचंद गांधी को प्रेरित करेगा और वह दक्षिण अफ्रीका में इसे प्रतिध्वनित करेंगे, जिन्होंने भारत लौटने के बाद अपने सत्याग्रह से ब्रिटिश राज को हिलाकर रख दिया तथा भारत को स्वतंत्रता पाने में मदद की। दिलचस्प बात यह है कि गांधी को भी यह नहीं पता था कि ब्रिटिश ज्यादतियों के खिलाफ उनका अहिंसक प्रतिरोध अमेरिकी अश्वेत नागरिक अधिकार नेता, डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर को प्रेरित करेगा, जो अपने घर और कार्यालय में गांधी की तस्वीर लटकाकर रखते थे। करीब पचास वर्ष पहले स्वामी विवेकानंद ने सितंबर, 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद को संबोधित कर अपने प्रसिद्ध भाषण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अंग्रेजी कविता के कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि टी. एस. इलियट के वेस्टलैंड पर भगवद्गीता का प्रभाव झलकता है। भारत के लोग अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट का आभार जताते हैं, जिन्होंने 1943 में कासाब्लांका कॉन्फ्रेंस में भारत की आजादी के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल से बातचीत की थी। भारत और अमेरिका एक जैसे मूल्य साझा करते हैं-लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, कानून का राज, धार्मिक सहिष्णुता और उनका बहुजातीय, बहुनस्लीय, बहुभाषी, बहु-धार्मिक और बहुलतावादी समाज। दिलचस्प है कि इन समानताओं ने उन्हें अच्छा दोस्त नहीं बनाया। दो सैन्य संगठनों-1954 में दक्षिण पूर्व एशिया संधि संगठन (सीटो) और 1955 में केंद्रीय संधि संगठन (सेन्टो) में पाकिस्तान को शामिल करने को लेकर भारत को आशंकाएं थीं।

आदिवासी समुदाय और सपने देखने वाली महिलाओं की प्रतिनिधि

द्रौपदी मुर्मू देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। एक आदिवासी महिला के लिए यह सफ़र तय करना आसान नहीं रहा होगा। इसका अंदाज़ केवल इस बात से लगाया जा सकता है आज़ादी के 74 साल बीतने के बावजूद मुर्मू पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। जब किसी परिवार, मोहल्ले या गांव की पहली महिला शिक्षा की ओर कदम बढ़ाती है तब जिन मुश्किलों का सामना उसे करना होता है उसका अंदाज़ लगाना भी मुश्किल है। वहीं जब अपने गांव की पहली कॉलेज जाने वाली महिला देश की पहली महिला बनने जा रही हो तो सम्मान केवल उस महिला का ही नहीं बढ़ता बल्कि उन तमाम महिलाओं का भी सम्मान बढ़ता है जो सपने देखती हैं और उसे पूरा करने के लिए हर बाधा, हर विरोध का सामना करती हैं। द्रौपदी मुर्मू देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। एक आदिवासी महिला के लिए यह सफ़र तय करना आसान नहीं रहा होगा। इसका अंदाज़ केवल इसी बात से लगाया जा सकता है आज़ादी के 74 साल बीतने के बावजूद मुर्मू पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति बनने जा रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी का सफ़र बताता है कि क्लर्क की नौकरी करते हुए 1997 में उन्होंने नगर पंचायत का चुनाव लड़कर और जीतकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। इससे यह तो जरुर साफ़ होता है कि अपने लंबे करियर में उनका ज़मीन से जुड़ाव रहा है ओड़िसा में राज्पाल रहते हुए उन्होंने औद्योगिक इस्तेमाल के लिए ज़मीन के हस्तांतरण संबंधी विधेयक को करीब एक साल तक रोके रखा। ये कुछ बातें हमें उम्मीद दिलाते हैं कि द्रौपदी के राष्ट्रपति बनने से कम से कम आदिवासियों और महिलाओं के मुद्दे नज़र तो आएंगे। जो आदिवासी समाज सदियों से अलग-थलग रहा है उसके मुद्दे और समस्याएं समझना और उसके समाधान की ओर कदम बढ़ाना बहुत जरूरी है। बिहार के कुछ इलाकों में अध्ययन के दौरान

आदिवासी समुदाय को करीब से देखने का अवसर मिला। 2011 की जनगणना को मानें तो इनकी आबादी 13 लाख से ऊपर है। अगली जनगणना में इसमें बढ़ोतरी ही होगी लेकिन दुख की बात यह है कि इनके विकास पर सरकार का रवैया थोड़ा उदासीन रहा है। शायद किसी भी पार्टी के लिए ये वोट बैंक नहीं बन पा रहे इसलिए इनके मुद्दे अनसूने रह जाते हैं।कृषि और जंगल, आदिवासी समाज के जीवन-यापन के मुख्य आधार रहे हैं लेकिन इसमें कई तरह की कठिनाइयां आ रही हैं। कृषि के लिए ज़मीन की कमी, पारंपरिक तरीके से खेती, सिंचाई के साधनों की कमी और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता ने कृषि कार्य को पहले ही मुश्किल बना दिया है। उसपर जंगलों के कटने से इनका जीवन-यापन और भी ज्यादा मुश्किल हो गया है। समुदाय के ज्यादातर लोग काम की तलाश में दूसरे शहर या राज्य में पलायन कर रहे हैं। कोरोना काल में इनकी हालत और भी ज्यादा ख़राब हो गई, इसके बावजूद ये हमेशा उपेक्षित ही रहे। आदिवासी समुदाय शुरुआत से ही मुख्य आबादी से अलग-थलग रहा है, लेकिन अब जब यह समाज मुख्यधारा में आना चाहता है तो इसे अनगिनत बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है जिसे समझने की जरूरत है। इनके गांव में न तो सड़कें हैं, न यातायात की सुविधा। ग़रीबी और भूखमरी इस हद तक है कि ये अपने बच्चों को स्कूल भेजने की जगह मजदूरी करवाने के लिए मजबूर हैं, वो काम भी नियमित रूप से नहीं मिलता। कर्ज बढ़ता जाता है और आमदनी का कोई स्थाई जरिया नहीं। दूसरी ओर आदिवासियों की समृद्ध संस्कृति भी क्षीण होती जा रही है। पलायन, अन्य जातियों से जुड़ाव और तकनीकी विकास ने आदवासी युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति उदासीनता भर दी है जिससे उनकी अपनी पहचान खत्म हो रही है। उनकी कला को फिर से समृद्ध करने की जरूरत है, जो देश की धरोहर है। आदिवासियों ने जिस तरह से प्रकृति से प्रेम किया है उससे हर किसी को सीख लेने की जरूरत है। आज जब देश की कुल साक्षरता दर 73 प्रतिशत है (जो अभी भी बहुत कम है) आदिवासियों की साक्षरता दर केवल 59 प्रतिशत ही है। उसमें भी जब महिलाओं की बात आती है तो आदिवासी पुरुषों के 69 प्रतिशत साक्षरता दर के मुकाबले आदिवासी महिलाओं की साक्षरता दर केवल 49 प्रतिशत ही है। जैसे-जैसे उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हैं यह अंतर बढ़ता ही जाता है।आदिवासी समुदाय शुरुआत से ही मुख्य आबादी से अलग-थलग रहा है, लेकिन अब जब यह समाज मुख्यधारा में आना चाहता है तो इसे अनगिनत बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है जिसे समझने की जरूरत है। इनके गांव में न तो सड़कें हैं, न यातायात की सुविधा। गरीबी और भूखमरी इस हद तक है कि ये अपने बच्चों को स्कूल भेजने की जगह मजदूरी करवाने के लिए मजबूर हैं, वो काम भी नियमित रूप से नहीं मिलता। कर्ज बढ़ता जाता है और आमदनी का कोई स्थाई जरिया नहीं। दूसरी ओर आदिवासियों की समृद्ध संस्कृति भी क्षीण होती जा रही है। पलायन, अन्य जातियों से जुड़ाव और तकनीकी विकास ने आदवासी युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति उदासीनता भर दी है जिससे उनकी अपनी पहचान खत्म हो रही है। उनकी कला को फिर से समृद्ध करने की जरूरत है, जो देश की धरोहर है। आदिवासियों ने जिस तरह से प्रकृति से प्रेम किया है उससे हर किसी को सीख लेने की जरूरत है। आज जब देश की कुल साक्षरता दर 73 प्रतिशत है (जो अभी भी बहुत कम है) आदिवासियों की साक्षरता दर केवल 59 प्रतिशत ही है। उसमें भी जब महिलाओं की बात आती है तो आदिवासी पुरुषों के 69 प्रतिशत साक्षरता दर के मुकाबले आदिवासी महिलाओं की साक्षरता दर केवल 49 प्रतिशत ही है। जैसे-जैसे उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हैं यह अंतर बढ़ता ही जाता है।जागरूकता का अभाव और साथ में शिक्षण संस्थाओं की कमी के कारण यह समाज आज तक पिछड़ा हुआ है। कृषि कार्य हो या फिर मजदूरी का काम यहां महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से हमेशा से अधिक रही है लेकिन उनके पास कोई अधिकार नहीं हैं। आदिवासी गांवों में स्वास्थ्य व्यवस्था और गंदगी एक चिंता का विषय रहा है। यहां साफ़-सफाई के प्रति जागरूकता की कमी के कारण कई बीमारियां फैलती रहती है। इलाज़ के लिए लोग झाड-फूंक, झोलाछाप डॉक्टर या जड़ी-बूटियों पर निर्भर रहते हैं। सरकारी अस्पताल की लचर व्यवस्था से इलाज़ सही से नहीं हो पाता और प्राइवेट डॉक्टर तथा अस्पताल का खर्च वहन करना इनके लिए नामुमकिन जैसा है। इस मामले में भी महिलाओं की स्थिति काफी खराब है। सरकार प्रयासों के बावजूद आज भी प्रसव के लिए ये लोग अस्पताल जाने से परहेज ही करते हैं। की रिपोर्ट्स के अनुसार भारत में शिशु मृत्यु दर करीब 44 प्रतिशत और पांच वर्ष के बच्चों की मृत्यु दर 57 प्रतिशत है। कई आदिवासी समुदाय आज भी गर्वनिरोधक के लिए जड़ी-बूटी अथवा घरेलू उपायों पर भरोसा करते हैं, जो कई बार कारगर नहीं होता। कुल मिलाकर प्रजनन पूर्व तथा पश्चात् इन्हें कई परेशानियों से जूझना पड़ता है। महिलाओं में एनीमिया की समस्या आम है। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के बहाने ही सही आदिवासी समुदाय चर्चा में है। हमारे नीति नियंताओं को आदिवासी समुदाय के बारे में नए सिरे से सोचने की आवश्यकता है। कई राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के दौरान चर्चित रहे हैं, कुछ ऐसी ही उम्मीद महिलाओं और आदिवासी समुदाय में खासतौर से आदिवासी समुदाय में द्रौपदी मुर्मू से जगी है।

कोविड जैसा खतरनाक नहीं मंकीपॉक्स, बीते आठ दशकों में पूरी दुनिया में अब तक लगभग 350 नए रोग सामने

आएदिलचस्प बात यह है कि हाल ही में पाए गए कई अन्य वायरसों की तरह भारत में मंकीपॉक्स का पहला मामला भी केरल में ही सामने आया है। दरअसल यह केरल में रोग निगरानी प्रणाली के मजबूत होने को इंगित करता है, जो दुर्लभ संचरण का भी पता लगाने के लिए पर्याप्त संवेदनशील है। पिछले 14 जुलाई को केरल में मंकीपॉक्स का मरीज मिला। यह देश में मंकीपॉक्स का पहला मामला था। कुछ दिनों बाद वहीं दूसरा मरीज भी मिला। इससे पहले आज तक कभी भारत बस्तियां, रोगाणु रोधी दवाओं का अंधाधुंध उपयोग-विशेष रूप से पोल्ट्री फार्म और कृषि उद्योग में, और वन्यजीव व्यापार में वृद्धि जैसे कई कारण हैं। मंकीपॉक्स प्रकोप के बीच हाल ही में घाना में मारबर्ग वायरस के फैलने की सूचना मिली है। इस साल की शुरुआत से ऑस्ट्रेलिया में रेस्पिरेटरी सिंसेसिअल विषाणु तेजी से फैला है। भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में जीका, निपाह और क्रीमियन कांगो हेमोरेजिक बुखार के वायरस पाए गए हैं। जून के महीने में आए एक स्थापित करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यबल को प्रशिक्षित करने और 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण (जिसमें मानव, जानवरों और पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए समन्वय किया जाता है) पर ध्यान देने की आवश्यकता है। संक्रामक रोगों से लड़ने और निगरानी प्रणालियों के लिए मानव संसाधन और धन की कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य और प्रबंधन संवर्ग को त्वरित तरीके से लागू किया जाना चाहिए। भारत एक वैश्विक वैक्सीन

में मंकीपॉक्स का विषाणु या मरीज नहीं मिला था। लेकिन मंकीपॉक्स के मरीज मिलने को देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ आश्चर्य या बड़ी चिंता के रूप में नहीं देख रहे। दरअसल, नई बीमारियों और विशेष रूप से जूनोटिक रोगों (जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं) का उभरना अब आम होता जा रहा है। पिछले आठ दशकों में पूरी दुनिया में लगभग 350 नए रोग सामने आए हैं, और उनमें से दो-तिहाई बीमारियां जानवरों से इंसानों में फैलने वाली रही हैं। सार्स (2002-04), स्वाइन फ्लू एच1एन1 (2009-10), जीका और अब कोविड इसके कुछ उदाहरण हैं। इन बीमारियों के उभरने के पीछे तेजी से पर्यावरण का नुकसान, वनों की कटाई और जंगलों में मानव हस्तक्षेप, बढ़ता वैश्विक तापमान (जो रोगाणुओं को नई परिस्थितियों में अनुकूलन में मदद करता है), तेज और अनियोजित शहरीकरण एवं घनी वैज्ञानिक अध्ययन में बताया गया है कि जीका वायरस, जिसका कुछ साल पहले तक हमने नाम भी नहीं उपलब्ध नहीं हैं। आम जनता को मंकीपॉक्स टीकाकरण की जरूरत भी नहीं है। इस पृष्ठभूमि में देश में मंकीपॉक्स के मामलों का पता लगना चिंता या घबराहट का कारण नहीं है। हालांकि, यह सभी स्तरों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र को सक्रिय करने का समय है। बहरहाल, भारत में जरूरत इस बात की है कि टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह इस पर भी विचार-विमर्श करे कि अगर जरूरत पड़े, तो कब, किसको और कैसे टीके लगाए जाएंगे। फिर जूनोटिक रोग एक वास्तविकता बन रहे हैं, उभरती और फिर से उभरने वाली बीमारियों की तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए मंझोले से दीर्घकालीन रणनीति की आवश्यकता होती है। प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने, बेहतर ढंग से काम करने वाली रोग निगरानी प्रणाली उत्पादक केंद्र है, इसलिए सरकार को उभरती बीमारियों के खिलाफ प्रभावी दवाओं और टीकों के अनुसंधान पर निवेश बढ़ाना चाहिए और अनुसंधान व विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में पाए गए कई अन्य वायरसों की तरह भारत में मंकीपॉक्स का पहला मामला भी केरल में ही सामने आया है। दरअसल यह केरल में रोग निगरानी प्रणाली के मजबूत होने को इंगित करता है, जो दुर्लभ संचरण का भी पता लगाने के लिए पर्याप्त संवेदनशील है। भारत में मंकीपॉक्स का पहला मामला इसलिए भी सामने आ सका, क्योंकि मरीज ने स्वेच्छा से अपने पॉजिटिव मंकीपॉक्स परीक्षण के बारे में जानकारी साझा की। यह दर्शाता है कि कैसे रोग निगरानी की सफलता नागरिकों की भागीदारी पर निर्भर है।

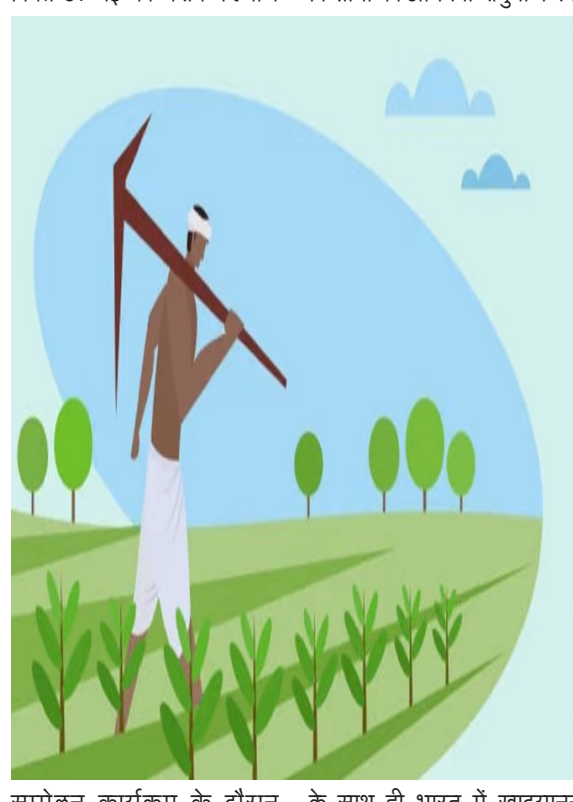

ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुधार की दिशा में आगे बढ़ रही, चार वर्षों में किसानों की औसत आमदनी में इजाफा

देश से लगातार खाद्यान्न का बढ़ता हुआ निर्यात विदेशी मुद्रा की कमाई का महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। दुनिया में भारत जहां चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा पहले क्रम का निर्यातक देश है, वहीं गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और छठा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। इसी जुलाई माह में प्रकाशित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की किसानों की आमदनी बढ़ने और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के बुलेटिन में प्रकाशित ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार से संबंधित दो विभिन्न रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। एसबीआई की देश में कृषि की स्थिति पर प्रस्तुत विशेष रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वित्त वर्ष 2017-18 से 2021-22 के चार वर्षों में किसानों की औसत आमदनी 1.3 से 1.7 गुना तक बढ़ी है, वहीं इसी अवधि के बीच कुछ राज्यों में कुछ फसलों से किसानों की आमदनी में जोरदार इजाफा हुआ है। जैसे, महाराष्ट्र में सोयाबीन किसानों की औसत आय 1.89 लाख रुपये से बढ़ कर 3.8 लाख रुपये (दोगुनी) और कर्नाटक के कपास किसानों की औसत आय 2.6 लाख रुपये से बढ़कर 5.63 लाख रुपये (2.1 गुना) हो गई है। खासतौर पर जो किसान नगदी फसल उगाते हैं, उनकी आय परंपरागत अनाज उपजाने वाले किसानों की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बाजार से जुड़े मूल्य के करीब पहुंच गया है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य सुनिश्चित हो सका है। इसी तरह आरबीआई के जुलाई बुलेटिन में तीन विश्लेषकों के शोधपत्र पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 के मानसून में हुए सुधार से कृषि गतिविधियों के बेहतर रहने की उम्मीद है तथा इससे ग्रामीण मांग जल्द ही रफ्तार पकड़ सकती है। ऐसे में खाद्यान्न की अच्छी पैदावार से महंगाई घटाने में मदद मिल सकती है, तो बंपर पैदावार से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आमदनी में इजाफा होगा। परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी। यकीनन इस समय किसानों की आमदनी में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण आधार उभरकर दिखाई दे रहे हैं। जन-धन योजना के माध्यम से छोटे किसानों और ग्रामीण गरीबों का सशक्तीकरण हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं कि जिस तरह केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण विकास, कृषि विकास और किसानों को सामर्थ्यवान बनाने के लिए लगातार जो कदम उठाए जा रहे हैं, उनसे ग्रामीणों की आमदनी बढ़ने के साथ-साथ खाद्यान्न उत्पादन व उत्पादकता बढ़ने का ग्राफ ऊंचाई प्राप्त करते हुए दिखाई दे रहा है। विगत 31 मई को गरीब कल्याण

सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान निधि राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस किस्त के साथ ही केंद्र सरकार अब तक सीधे किसानों के बैंक अकाउंट में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम हस्तांतरित कर चुकी है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश से लगातार खाद्यान्न का बढ़ता हुआ निर्यात विदेशी मुद्रा की कमाई का महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। दुनिया में भारत जहां चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा पहले क्रम का निर्यातक देश है, वहीं गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और छठा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। इसी माह 14 जुलाई को आई2यू2 के चार सदस्य देशों-भारत, इस्राइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के शीर्ष नेताओं की बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि वैश्विक खाद्य संकट के समाधान हेतु भारत में करीब दो अरब डॉलर की लागत के फूड पार्क स्थापित किए जाएंगे। ये फूड पार्क भारतीय किसानों की आमदनी दोगुनी करने के साथ ही भारत में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने और खाड़ी देशों सहित दुनिया के अकालग्रस्त देशों में भूख की चुनौतियों का सामना कर रहे करोड़ों लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। निस्संदेह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्टों के मुताबिक, जहां किसानों की आय में वृद्धि हुई है, वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेज सुधार की उम्मीदें बढ़ी हैं। लेकिन अभी देश में कृषि एवं ग्रामीण विकास की डगर लंबी है। इसमें कृषि का डिजिटलीकरण, यूरिया उत्पादन में वृद्धि शामिल है। देश में कृषि को मानसून का जुआ बनने से हरसंभव तरीके से बचाने की जरूरत है।

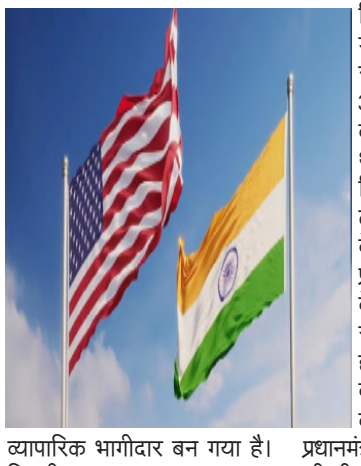

संक्षिप्त समाचार

बुलंदशहर की तान्या सिंह ने हासिल किए 500 में से 500 अंक

नई दिल्ली। इन वेबसाइट पर भी देख सकेंगे रिजल्टबुलंदशहर में सीबीएसई के परिणाम में डीपीएस की तान्या सिंह ने टॉप किया है। तान्या ने 500 में से 500 अंक हासिल किए हैं। परीक्षा परिणाम जारी होते ही विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई ने कक्षा 12वीं के लिए सीबीएसई परिणाम 2022 जारी कर दिया है। सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट 2022 और मे. पर ऑनलाइन उपलब्ध है छात्र अपने खातों में लॉग इन करके डिजिलॉकर पर सीबीएसई परिणाम ऑनलाइन भी देख सकते हैं। सीबीएसई कक्षा 12वीं परिणाम 2022 की जांच के तरीकों की जांच करें। नवोदय विद्यालय के 98.93 फीसदी छात्र पास हुए हैं। लड़कियों ने एक बार फिर बाजी मारी है। इस साल कुल पास प्रतिशत 92.71 फीसदी रहा है। केंद्रीय विद्यालय के छात्रों का परिणाम 97.04 फीसदी रहा है। 92.71 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, बुलंदशहर में सीबीएसई के परिणाम में डीपीएस की तान्या सिंह ने टॉप किया है। तान्या ने 500 में से 500 अंक हासिल किए हैं। परीक्षा परिणाम जारी होते ही विद्यार्थी खुशी से झूम उठे। 2022: पास होने के लिए कितने अंक लाने होंगे बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को पास होने के लिए हर विषय में कुल अंकों के 33 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। आसान शब्दों में बताएं तो थ्योरी परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा और आंतरिक परीक्षा तीनों मिलाकर छात्रों को कम से कम 33 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। इसके बाद ही उन्हें सफल घोषित किया जाएगा।

सेक्टर 51 (चिल्ड्रेन पार्क) मे लगा महिला जागरूकता शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 51 के चिल्ड्रेन पार्क में नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन महिला कल्याण विभाग के जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री अतुल कुमार सोनी और डीडी आरडब्लूए फेडरेशन, गौतम बुद्ध नगर के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसके तहत सबका यह प्रयास रहा कि नारी सुरक्षित रहे, नारी का सम्मान हो और नारी स्वावलंबन हो। महिला कल्याण विभाग के तरफ से श्री रवि और हमरा ने जरूरतमंद महिलाओं को सरकार की योजनाओं जैसे महिला सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना।, सखी योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना राष्ट्रीय पोषण मिशन, शक्ति

मोबाइल, महिला हेल्प डेस्क, महिला साइबर सेल,महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी प्रमुख केंद्र, इत्यादि की जानकारी साझा की । नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन के मायका में 33 महिलाओ ने सदस्यता के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया जिसमे संस्था सभी महिलाओं की हर समस्या का समाधान करने का प्रयास करेगी इसके लिए संस्था ने मालती को होशियारपूर की महिलाओ का लीडर घोषित किया। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग की टीम, नारी प्रगति सोशल फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमति मीनाक्षी त्यागी, महासचिव श्रीमति वनिता भट्ट सोपोरी,मिडिया प्रभारी अलका वर्मा, ममता ,डीडी आरडब्लूए फेडरेशन से श्री एन पी सिंह (अध्यक्ष), श्री राजीव कुमार (एडवाइजर) और श्री संजीव कुमार (सीनियर उपाध्यक्ष) , नोएडा के प्रख्यात समाजसेवी मनीष गुप्ता एवं विक्रम सेठी एवं होशियारपूर की घरेलु सहायिका,कामकाजी महिलाएं बहुत ज्यादा संख्या मे मौजूद रही।

ब्रम्हचारी कुटी में हुआ रुद्राभिषेक

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सावन के प्रथम सोमवार को सेक्टर 82 स्थित तपोभूमि

ब्रम्हचारी कुटी में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। कुटी परिसर में स्थित शिव मंदिर में पंडित मनोहर शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिव जी का रुद्राभिषेक कराया। सुख शांति, समृद्धि एवं मनोकामना पूर्ण करने के लिए भगवान शिव का दुग्ध धारा से रुद्राभिषेक कराया गया। इससे पहले भगवान शिव एवं परिवार का विधिवत पूजन कराया गया। रुद्राभिषेक के बाद आरती की गई और प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर में शिव अर्चना और जल चढ़ाने के लिए दिनभर भक्त आते रहे। इस दौरान बोल बम बोल बम के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया। इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि शिव परम् कल्याणकारी हैं। सावन माह में भगवान शिव की आराधना दुख, दरिद्रता एवं पापों का नाश करने वाली है वहीं धन, धान्य, सुख एवं मोक्ष को प्रदान करने वाली है। भगवान शिव की भक्ति सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह कर नकारात्मक ऊर्जा का शमन करती है। भगवान शिव सभी का कल्याण करें इस अवसर पर कुटी व्यवस्थापक पिंटू बाबा, पुजारी मनोहर शास्त्री, अशोक कुमार, अनमोल झा,पंडित अनिल मिश्रा ,पंडित महिपाल शर्मा ,ओम कुशवाहा, बाबा हलवाई, विपिन कुमार, परदेशी ,सुरेंद्र , शिवव्रत तिवारी, सुशील पाल, रवि राघव सहित तमाम भक्त मौजूद रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जेवर में अभ्यर्थी 31 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जेवर के प्रधानाचार्य अनिल कुमार निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जेवर गौतम बुद्ध नगर में माह अगस्त 22 से प्रारंभ हो रहे प्रशिक्षण सत्र 22-23 के लिए अभ्यार्थी आगामी 31 जुलाई तक वेबसाइट के माध्यम से अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन में हुई त्रुटियों के संशोधन के लिए 48 घंटे का आवेदन में सहायता विवरण ई-फार्म में उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन विवरण का कोई भाग पूर्ण रूप से या आवश्यकता अनुसार प्रिंट या डाउनलोड भी कर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रवेश पंजीकरण शुल्क के रूप में सामान्य /पिछड़ा वर्ग के लिए ?250 तथा अनुसूचित जाति/ जनजाति के लिए पंजीकरण शुल्क के रूप में 150 देना होगा।

झांसी- ललितपुर हाईवे पर बबीना टोल प्लाजा के निकट 6 करोड़ का पकड़ा गया गाँजा, गैस टैंकर में भरकर जा रहा था 25 क्विंटल गाँजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

झांसी। ललितपुर हाईवे पर बबीना टोल प्लाजा के निकट एसटीएफ, एनसीबी लखनऊ एवं स्थानीय पुलिस ने गांजे से भरा हुआ एक गैस टैंकर पकड़ा। टैंकर से 25 क्विंटल गांजा बरामद हुआ जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 6 करोड़ रुपये आंकी गई है। एसटीएफ को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि उड़ीसा से गांजा लाकर आगरा और मथुरा ले जाया जाता है। पूछताछ करने पर इन लोगों ने बताया कि यह गांजा उड़ीसा के बरगढ़ जिले से मध्यप्रदेश के ब्यावरा निवासी महेंद्र ने भेजा है। इसे मथुरा पहुंचाना था। वहां से गिरोह के सदस्य इसे लेकर आसपास जिले में बेचते।टैंकर चालक और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। टैंकर नं. एमएस-18 एए-8297 के आरोपी चालक लोगों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम संभल निवासी जलालुद्दीन सफी पुत्र मोहम्मद आलम, मध्य प्रदेश के गुना निवासी हरि सिंह मीणा पुत्र देवीलाल एवं महाराष्ट्र के नागपुर निवासी सतीश हेलौंडे पुत्र पुंजाराम बताया।

दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र बनाए जाने के लिए जेवर में 21 जुलाई को लगेगा शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिलाधिकारी सुहास एलवाई के निर्देशों के क्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया ने जनपद के समस्त दिव्यांग जनों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि आगामी 21 जुलाई दिन गुरुवार को सुबह 10:00 बजे से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जेवर में दिव्यांग जनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र/यूडीआईडी कार्ड बनाए जाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए दिव्यांग का आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र/ राशन कार्ड पहचान पत्र/ पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस/ बैंक पासबुक, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं इलाज से संबंधित अभिलेखों के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जेवर में पहुंचकर आयोजित होने वाले शिविर का लाभ उठा सकते हैं।

सपा ने स्वाधीनता संग्राम के महानायक मंगल पांडेय की जयंती मनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महानायक मंगल पांडेय की जयंती सेक्टर 102 स्थित भंगेल में सपा व्यापार सभा कार्यालय पर धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर

पर सपा नोएडा ग्रामीण के जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे व व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ अमर शहीद मंगल पांडेय के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको याद किया। इस अवसर पर बोलते हुए सपा जिला महासचिव राघवेंद्र दुबे ने कहा कि मंगल पांडेय का जन्म उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के नगवा नामक गाँव में एक ब्राम्हण परिवार में हुआ था। सन 1849 में 22 साल की उम्र में सेना में भर्ती हो गए। विद्रोह का प्रारंभ एक बंदूक के कारण हुआ जिसमें बंदूक भरने के लिए कारतूस को दांतों से काटकर खोलना पड़ता था और कारतूस के बाहरी आवरण में चर्बी होती थी जो कि सीलन से बचाती थी। सिपाहियों के बीच अफवाह फैल गई कि कारतूस में लगी हुई चर्बी सुअर और गाय के मांस से बनाई जाती है। मंगल पांडेय ने विद्रोह कर दिया रेजीमेंट के अफसर बाग पर हमला कर दिया। उन्होंने सेना से बगावत करने के लिए भी कहा।उन्हें गिरफ्तार कर फांसी दे दी गई। बगावत की चिंगारी पूरे भारत में फैल गई और अंग्रेजों को लगने लगा कि अब यहां शासन करना आसान नहीं है। स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी को उनकी जयंती पर सादर नमन करता हूँ। इस अवसर पर सपा व्यापार सभा अध्यक्ष मनोज गोयल , सुरेंद्र गौतम, विनोद कुमार सिंह, पुष्पेंद्र बंसल, सुबोध गोयल, कृशान्त गौतम, इंद्रजीत सिंह, रेशम पाल सिंह सहित तमाम सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांजा तस्कर और अवैध मादक पदार्थों का काम करने वालो की धरपकड़ जल्द होगी शुरू एसडीओपी मैहर लोकेश डावर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। जिले के मैहर एसडीओपी लोकेश डावर ने आज चर्चा करते हुए बताया कि क्षेत्र में जो भी अवैध मादक पदार्थों का काम करते है,जैसे कि गांजा चरस अफीम का काम करने वाले लोग उन सब की धरपकड़ बहुत जल्दी की जाएगी,ऐसा काम करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करके उनको सलाखों के पीछे पहुंचाएंगे,आपको बता दें कि झांसी ललितपुर हाइवे मैं बबीना टोल प्लाजा में 60000000 का गांजा पकड़ा गया है जिसके बाद मध्य प्रदेश की पुलिस सतर्क हो गए है, उसी के तहत मैहर एसडीओपी का कहना है,कि अवैध मादक पदार्थ का काम करने वालों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा,उसी के तहत एसडीओपी मैहर लोकेश डाबर ने आज यह बात कही है।

शिवम गौतम एव अनुराग मिश्रा ने मां शारदा मंदिर में दान की 3 व्हीलचेयर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मानवता की मिसाल पेश करते हुए विहिप के विभाग संयोजक अनुराग मिश्रा ने समाजसेवी शिवम गौतम के साथ मां शारदा मंदिर जाकर 3 व्हील चेयर माई के दरबार में दान किया। अब जगत जननी मां शारदा के दरबार में वृद्ध और दिव्यांग जनों को भी माई के दर्शन आसानी से हो सकेंगे इसके लिए अनुराग मिश्रा ने व्हीलचेयर की व्यवस्था करते हुए मां शारदा के मंदिर में भेंट किया है, जिससे वयोवृद्ध और दिव्यांगजन जो चल नहीं सकते है वह भी मां के दर्शन आसानी से कर सकेंगे। श्री अनुराग ने कहा कि मैहर मां शारदा धाम 52 शक्तिपीठों में एक है जहां रोजाना लाखों श्रद्धालु आते है उनमें से कई वृद्ध और दिव्यांगजन जो शारीरिक रूप से अस्वस्थ है वह भी मां के दरबार में पहुंचते हैं। जिसे देखते हुए उनकी सुविधा के लिए मां के चरणों में व्हीलचेयर दान कर

सामाजिक कार्य किया हूं। आपको बता दें कि अनुराग मिश्रा निरंतर सेवा भाव एवं सामाजिक व धार्मिक कार्य करने में सक्रिय हैं। यह हर वर्ष नवरात्रि में मां शारदा के दरबार में श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क परामर्श से लेकर ठंडा प्याऊ जल खोल लोगों की सेवा ।

भूजल सप्ताह के तहत सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कॉलेज कासना ग्रेटर नोएडा में भू जल जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप एवं जिला

अधिकारी के नेतृत्व में विगत दिवस जनपद में 16 से 22 जुलाई तक चलाए जा रहे भूजल सप्ताह के तहत सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कॉलेज कसना ग्रेटर नोएडा में भूजल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला समन्वय गौतम बुद्ध नगर अर्चना शिरोमणि ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्राओं ने जल संचयन एवं संरक्षण विषय पर कविता, भाषण, प्रस्तुत कर सभी को जल का संरक्षण करने को जागरूक किया । इसके अतिरिक्त छात्राओं ने नारा लेखन, बोर्ड डेकोरेशन द्वारा भी वर्षा जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया तथा छात्राओं ने शपथ ग्रहण द्वारा जल बचाने का संकल्प भी किया। अर्चना शिरोमणि जी (जिला समन्वयक, गौतम बुद्ध नगर) ने एक वर्कशॉप में वर्षा जल संचयन एवं संवर्धन विषय पर अपने सुझाव दिए। प्रभारी उपप्रधानाचार्य प्रीति फोगाट ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए जल बचाने का संदेश दिया।

सेक्टर 82 की ब्रम्हचारी कुटी में हुआ पौधारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 82 स्थित तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में बुधवार को पौधरोपण किया गया। सपा नोएडा ग्रामीण के निवर्तमान जिला महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे व कुटी व्यवस्थापक पिंटू बाबा ने

भक्तों के साथ मंदिर परिसर में आम व अमरूद के पौधे लगाए। इस अवसर पर सपा महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने की जिम्मेदारी हम सब की है। शहरों में लगातार बढ़ता प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है और तमाम असाध्य बीमारियों को जन्म दे रहा है ऐसे में अधिक से अधिक पौधरोपण कर इस विकराल समस्या से निजात पाया जा सकता है। प्रकृति से निकटता ही हमें प्रदूषण व बीमारियों से बचा सकती है। हम सभी संकल्प लें कि कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसको संरक्षित भी करें। इस अवसर पर कुटी व्यवस्थापक पिंटू बाबा, पुजारी मनोहर दीक्षित, अनमोल झा, ओम कुशवाहा, पंडित अनिल मिश्रा, सुरेंद्र कुमार, अनिल सरस्वती, अशोक कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

संयुक्त अरब अमीरात में सम्मानित हुए - संदीप मारवाह

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । प्रसिद्ध फिल्म टेलीविजन और मीडिया हस्ती व मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष डॉ संदीप मारवाह को द वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा उनकी हालिया दुबई यात्रा के दौरान मीडिया और मनोरंजन उद्योग में उनके ईमानदार योगदान के लिए संयुक्त अरब अमीरात में सम्मानित किया गया। दुबई के हिल्टन अल हब्तूर सिटी में एक विशेष समारोह में डॉ. मारवाह को सम्मान प्रमाण पत्र सौंपते हुए डॉ. जितेंद्र माल्टानी अध्यक्ष वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स दुबई ने कहा कि जो छात्रों की छुपी हुई प्रतिभा को जान ले वही अच्छा गुरु है और संदीप मारवाह में ये काबिलियत भरपूर है, रचनात्मकता के कई अलग-अलग क्षेत्रों में डॉ संदीप मारवाह का योगदान बहुत बड़ा है। डॉ. संदीप मारवाह ने 4500 टेलीविजन कार्यक्रमों पर मंथन किया है, पिछले 30 वर्षों में अपने लोकप्रिय मारवाह स्टूडियो से 125 फीचर फिल्मों और 5000 प्रशिक्षण फिल्मों से जुड़े रहे हैं। हमें उन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन में जगह देते हुए खुशी हो रही है ।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल में स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के क्रम में आज उ0प्र0 राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के माननीय अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भंगेल में स्थित पोषण पुर्नवास केन्द्र का निरीक्षण किया गया, जहाँ पर कुल 08 बच्चे मिले । वहाँ पर पोषण से संबन्धित खान-पान आदि की जानकारी के साथ किचन का निरीक्षण करते हुए साफ सफाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया। वहाँ पर उपस्थित तिमारदारो के साथ वार्ता की गयी किसी प्रकार से कोई समस्या से अवगत नहीं कराया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुनील कुमार शर्मा उपस्थित रहे। तदोपरांत माननीय अध्यक्ष श्री शर्मा के द्वारा जिला कारागार गौतमबुद्धनगर के महिला बैरक में महिलाओं के साथ आवासित छोटे-छोटे बच्चो के साथ मुलाकात करते हुए वार्ता की गयी। 06 वर्ष आयु के दो बच्चों की माता के साथ वार्ता किया गया कि इन बच्चो को उचित शिक्षा के लिए बाल संरक्षण गृह में आवासित करा दिया जाये, ताकि उनको समाज में समायोजित करने में सहायता मिलें। इस अवसर पर बच्चों को फल आदि वितरित किया गया। उक्त के अतिरिक्त जग शान्ती उदयन घर गामा प्रथम स्थित बालिका गृह का निरीक्षण किया गया, जहाँ पर आवासित बालिकाओं से वार्ता की गयी, बालिकाओं के उचित शिक्षा व स्कूल के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी। उपरोक्त भ्रमण कार्यक्रम के पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में जनपद स्तरीय अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति को रोकने के संबंध में चर्चा की गयी। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत पात्र लाभाथिच्यो को जोड़े जाने पर बल दिया गया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र नगर मजिस्ट्रेट, सहायक पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), अतुल कुमार सोनी जिला प्रोबेशन अधिकारी, के0सी0 विरमानी अध्यक्ष बाल कल्याण समिति उपस्थित रहें।

नादान देहात क्षेत्र में 11हजार केवी की तार के चपेट मैं एक दर्जन से ऊपर गायों की हुई मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। देहात थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत आमाटोला में बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण 11 हजार केवी की तार के नीचे करीब एक दर्जन से ऊपर गायों की हुई मौत ग्रामीण के लोगों का कहना है कि तार टूटने की सूचना लाइनमैन को दी गई थी लोगों का कहना यह भी है कि अभी भी कई जगह के खंभे टूटे हुए है कई जगह तार धरती से छू रही है जिसमें इन कर्मचारियों को सूचना दी जाती है तो यह उस बात को अनसुना कर देते है इन्हें कोई काम करने के लिए रुपया चाहिए एक फ्यूज भी जोड़ना है तो इन लोगों का खर्चे का डिमांड रहता है हर क्षेत्र से ज्यादा देहात क्षेत्र के बिजली विभाग के अधिकारी किसानों और लोगों को परेशान करते हैं।

रिलीज हुआ 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के प्रीक्वल का ट्रेलर

नई दिल्ली । सामने आएगी 200 साल पुरानी कहानी'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के ट्रेलर में रेनेरा टारगेरियन और डेमन टारगेरियन सहित आयरन थ्रोन पर विराजने का लक्ष्य रखने वाले अन्य लोगों को दिखाया जाता है, और बताया जाता है कि वह कैसे टारगेरियन सिविल वॉर यानी डांस ऑफ द

ड्रैगन का हिस्सा बनते जाते है।गेम ऑफ थ्रोन्स' के प्रीक्वल 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' सीरीज का पहला आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो गया है। एचबीओ की इस ओरिजनल सीरीज में किंग विसरीज के शासन के तहत हाउस टारगेरियन के इतिहास को दर्शाया गया है। बता दें कि यह कहानी गेम ऑफ थ्रोन्स की घटनाओं से 200 साल पहले सेट की गई है। कैसे होती है ट्रेलर की शुरुआत ट्रेलर की शुरुआत किंग विसरीज टारगेरियन के साथ होती है, जो आयरन थ्रोन पर अपनी पसंद के उत्तराधिकारी को देखने के अपने सपने के बारे में बात करते हैं। उनकी पहली बेटी रैनेरा पहली दावेदार हैं, लेकिन कोई भी रानी कभी आयरन थ्रोन पर नहीं बैठी है। वहीं कुछ ऐसे लोग भी हैं जो विसरीज़ के भाई डेमन टारगेरियन को उत्तराधिकारी के रूप में देखना चाहते हैं। इन सबके बीच राजा की नई पत्नी मां बनने की इच्छा जताती है। यानी आयरन थ्रोन का एक और उत्तराधिकारी का जन्म होने वाला है। वहीं इन सभी परेशानियों से निपटने के लिए विसरीज़ इस बात की घोषणा करते हैं कि उन्होंने अपने नए वारिस का नाम तय कर लिया है। इससे पहले की वारिस के नाम की घोषणा हो डेमन कहते हैं,मैं तुम्हारा वारिस हूं। सिविल वॉर के संकेत विसरीज की चचेरी बहन रेनीस टारगेरियन, ट्रेलर में यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि रैनेरा के उत्तराधिकार को चुनौती दी जाएगी, चाकू निकलेंगे।वह बाद में दूसरों से कहती है, एक महिला को आयरन थ्रोन विरासत में नहीं मिलेगा क्योंकि यही नियम है रैनेरा कहती है, जब मैं रानी बन जाऊंगी, तो मैं एक नया आदेश जारी करूंगी। इस सब के बीच, सिविल वॉर के संकेत मिलने लगते हैं। कब रिलीज होगी सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन', आरआर मार्टिन के 2018 के उपन्यास 'फायर एंड ब्लड' पर आधारित है। 21 अगस्त को डिजनी प्लस हॉटस्टार पर इसके पहले सीजन के 10 एपिसोड रिलीज होंगे।

छोटे शहर से एक्टर बनने मुंबई पहुंचे थे आदित्य श्रीवास्तव

नई दिल्ली । इस शो ने बदल दी जिंदगीटीवी एक्टर आदित्य श्रीवास्तव को लोग उनके असली नाम से कम और सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत से नाम से ज्यादा जानते हैं। सोनी टीवी के शो 'सीआईडी' से वह काफी फेमस हुए। आदित्य हर साल 21 तारीख को अपना जन्मदिन मनाते हैं। इस साल वह 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। आदित्य का जन्म यूपी के प्रयागराज में साल 1968 में हुआ था। उनके पिता बैंक में काम करते थे। शुरुआती शिक्षा घर हासिल करने के बाद आदित्य ने आगे की पढ़ाई सुल्तानपुर और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से की। पढ़ाई के दौरान उन्हें संगीत समिति में नाटक करने के मौका मिल गया। इसके बाद उन्होंने इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाने की ठान ली और एक्टर का सपना लिए मुंबई पहुंच गए। मुंबई पहुंचने के बाद

आदित्य एक्टिंग के अलावा कई और काम भी कर चुके हैं। उन्होंने कई टीवी विज्ञापनों में अपनी आवाज दी है। मुंबई पहुंचने के बाद उन्हें सबसे बड़ा ब्रेक दिग्गज फिल्म डायरेक्टर शेखर कपूर ने अपनी फिल्म में दिया था। इस फिल्म का नाम 'बैंडिट क्वीन' था। फिल्म में आदित्य ने पुट्टीलाल का किरदार निभाया था। आदित्य को असली पहचान टीवी से मिली। सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले शो 'सीआईडी' में उनके अभिजीत के किरदार को लोगों ने काफी सराहा। इस किरदार की वजह से वह घर-घर में फेमस हो गए। आज भी ज्यादातर लोग उन्हें इसी किरदार के नाम से जानते हैं। सीआईडी के अलावा वह ब्योमकेश बख्शी, रिश्ते, नया दौर, ये शादी नहीं हो सकती, आहट जैसे टीवी शो में भी काम कर चुके हैं। आदित्य को उनके उम्दा अभिनय के लिए जाना जाता है। यही वजह है कि उन्हें कई बड़े निर्देशन अपनी फिल्म में कास्ट कर चुके हैं। वह सत्या, गुलाल, पांच, ब्लैक, कालू और दिल से पूछ किधर जाना है जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा लोगों को दिखा चुके हैं।

रहस्यो और रोमांच भरे सफर पर ले जाने को तैयार 'कार्तिकेय 2'

नई दिल्ली । इस दिन होगी रिलीजबॉलीवुड से लेकर साउथ तक एक के बाद एक फिल्मों की रिलीज का सिलसिला जारी है। अब पीपल मीडिया फैक्ट्री और अभिषेक अग्रवाल द्वारा अभिनीत फिल्म 'कार्तिकेय 2' की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। ये

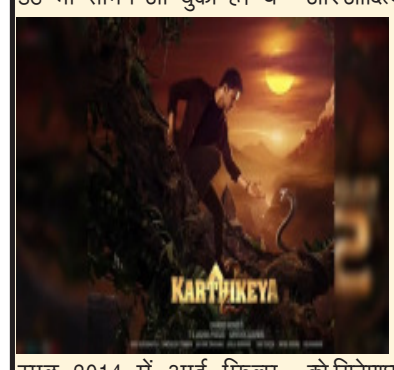

साल 2014 में आई फिल्म 'कार्तिकेय' का सीक्वल है। रोमांच भरे रहस्यों से पर्दा उठाने की तैयार पूरी हो गई है। तमिल भाषा में बनी इस फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा पहले से कहीं ज्यादा बेहतर है पार्ट 2 जानकारी के मुताबिक, फिल्म 'कार्तिकेय 2' इस बार अलग तरीके और पहले से कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से पेश की जा रही है। यह फिल्म चंदू मोंडेती के द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में अभिनेता निखिल सिद्धार्थ के अलावा अभिनेत्री अनुपमा परेश्वरन, श्रीनिवास रेड्डी, विवा वर्मा और आदित्य सेनन जैसा कलाकार नजर आने वाले है। इस दिन रिलीज होगी फिल्म फिल्म 'कार्तिकेय 2' कहानी शानदार विजुअल्स के साथ ही गहरे इमेशंस को भी दर्शाएगी। मेकर्स के द्वारा सोशल मीडिया के जरिए फिल्म रिलीज डेट भी जारी की जा चुकी है, जिसके मुताबिक यह फिल्म 12 अगस्त 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक मेगा बजट की फिल्म है। तो फिर 'कार्तिकेय 2' के साथ रहस्यो और रोमांच भरे एडवेंचर पर चलने के लिए तैयार हो जाए। इस्कॉन मंदिर में रिलीज किया गया टीजर फिल्म 'कार्तिकेय 2' का टीजर मंगलवार को वृंदावन के इस्कॉन मंदिर में हिंदी भाषा में जारी किया गया।

8 साल तक व्हीलचेयर पर थे संग्राम सिंह, फिर ऐसे तया किया पहलवान से अभिनय का सफर

नई दिल्ली । टीवी से लेकर बॉलीवुड तक पहचाने जाने वाले रेसलर संग्राम सिंह 21 जुलाई को यानी आज अपना 39 वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। कॉमवेल्थ गेमों में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले संग्राम सिंह का करियर अभिनेता के रूप में भी शानदार रहा है। अभिनय करने के साथ ही वह रियलिटी शोज में भी पार्टिसिपेट कर चुके है। हाल ही में वह लंबे रिलेशशिप

के बाद एक्ट्रेस पायल रोहतगी संग शादी के बंधन में बंधे हैं। तो चलिए उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनसे जुड़ी खास बातें। 21 जुलाई साल 1985 को रोहतक के छोटे से गांव मदीना में जन्मे संग्राम सिंह को इस मुकाम पर बेहद ही मुश्किलों का सामना करना पड़ा था लेकिन उन्होंने अपनी कमजोरी को ही ताकत बनाया। संग्राम सिंह के पिता उमैद सिंह सेना में जवान थे, जो अब रिटायर्ड हैं, वहीं मां रमादेवी हैं, जो गृहणी हैं। संग्राम सिंह पहलवानी के साथ ही अभिनय में भी खूब पसंद किए गए हैं। वहीं आज भी अक्सर वह मिट्टी के अखाड़े मे दांव पेच लगाते नजर आते हैं। हालांकि एक समय ऐसा भी आया था, जब संग्राम को पूरी तरह से 8 सालों के लिए व्हीलचेयर पर रहना पड़ा था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। दरअसल बताया जाता है कि संग्राम सिंह को रुमेटोइड गठिया हो गया था, जिसकी वजह से उन्हें व्हीलचेयर पर रहना पड़ा था, लेकिन इस अनुभव ने उन्हें कुश्ती के क्षेत्री में आगे बढ़ने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया। संग्राम सिंह ने साल 2015 में आई फिल्म 'उवा' से अपनी शुरुआत की थी और इसके बाद वह सर्वाइवर इंडिया, द अल्टीमेट बैटल, नच बलिए 7, बिग बॉस जैसे रियलिटी शोज में भी दिखाई दे चुके हैं। कुछ समय पहले कंगना के शो लॉकअप में आने को लेकर भी संग्राम सिंह काफी एक्साइटेड थे, हांलाकि उन्होंने पार्टिसिपेट नहीं किया था। रेसलर संग्राम सिंह और पायल रोहतगी की लव स्टोरी भी बेहद दिलचस्प है। पायल और संग्राम की पहली मुलाकात आगरा-मथुरा हाइवे पर हुई थी, जहां पायल की कार खराब हो गई थी, अचानक वहीं से संग्राम सिंह गुजर रहे थे और उन्होंने दिल्ली तक पायल को लिफ्ट दी थी। इसके बाद दोनों फिलिंपिस के एक शो में मिले और मुलाकातों का सिलसिला आगे बढ़ा और 12 साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने बीते 9 अप्रैल, 2022 को शादी कर ली।

लता मंगेशकर को समर्पित होगा खजाना फेस्टिवल, कैंसर रोगियों के लिए धन जुटाने का प्रयास

नई दिल्ली । पिछले 21 वषी से गजल गायक पंकज उधास 'खजाना गजलों का फेस्टिवल' के जरिये थैलेसीमिक बच्चों और कैंसर

रोगियों के लिए धन जुटाने का सराहनीय कार्य करते आये हैं। पिछले दो सालों से कोविड की वजह से यह कार्यक्रम ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया था। इस अब कोविड से प्रतिबंध हटने के बाद इस कार्यक्रम का आयोजन 29 जुलाई और 30 जुलाई को शाम सात बजे रीगल रूम, ट्राइडेंट होटल, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। हमेशा की तरह इस कार्यक्रम से जो भी पैसे इकट्ठा होगा उसको कैंसर रोगियों के इलाज के लिए खर्च किया जाएगा। पंकज उधास ने इस मौके पर भारत रतन स्वर्गीय लता मंगेशकर को याद किया और कहा कि इस वर्ष 6 फरवरी को को परलोक सिधार गई। संगीत की दुनिया में उनके अमूल्य योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। आज भले ही वो हमारे बीच नहीं रही, लेकिन उनकी यादें हमारे बीच हमेशा रहेंगी। कलाकार तो चला जाता है,लेकिन उसके कायी को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। सिनेमा के माध्यम से गजलों को भी लोकप्रिय बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस वर्ष यह फेस्टिवल लता मंगेशकर को समर्पित है। इस मौके पर गायक भूपिंदर सिंह को भी सबने याद किया। 'मेरी आवाज ही मेरी पहचान है, गर याद रहे' जैसे गीत गाने वाले देश के प्रसिद्ध गायक भूपिंदर सिंह के बारे में पंकज उधास कहते हैं, ' भूपिंदर सिंह इस कार्यक्रम से पहले साल से ही जुड़े रहे, उन्होंने एक बड़े भाई और गाजिन्यन के तौर पर हमेशा हमारा हौसला बढ़ाया है। इस वर्ष हम लता मंगेशकर और भूपिंदर सिंह को इस कार्यक्रम में काफी मिस करेंगे। उनकी यादें हमेशा हमारे साथ जुड़ी रहेगी।' फेस्टिवल के पहले दिन पंकज उधास के अलावा रेखा भारद्वाज, तलत अजीज , राहुल देशपांडे, प्रियंका बर्वे, पूजा गायतोंडे, खजाना आर अलाउड टैलेंट हंट विजेता सुरेंद्र कुमार रावल भाग लेंगे। सन्हा अस्तुनकर और हिमांगी दो नए कलाकार है, जिन्हें पहले दिन खजाना में पेश किया जाएगा। दूसरे दिन 30 जुलाई को अनूप जलोटा, हरिहरन, विशाल भारद्वाज, सुदीप बनर्जी, प्रतिभा सिंह बघेल और खजाना आर्टिस्ट अलाउड टैलेंट हंट विजेताओं की पेशकश होगी।

धीमी हुई 'थॉर' की रफ्तार, 10 करोड़ के लिए 'हिट द फर्स्ट केस' का संघर्ष जारी

नई दिल्ली । दर्शकों के मनोरंजन के लिए हर शुक्रवार को कई फिल्में रिलीज होती है। इनमें से कई फिल्में लोगों को पसंद आती है तो वहीं

कई सिरे से नकार दी जाती है। कई बार ऐसा भी होता है कि फिल्मों की बढ़िया कहानी होने के बावजूद वह लोगों द्वारा पसंद नहीं की जाती है। इस शुक्रवार भी बॉक्स ऑफिस पर दो बड़े स्टार तापसी पनू और राजकुमार राव की फिल्में रिलीज हुई है। जिनमें से तापसी की फिल्म 'शाबाश मिथु' को लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हो रही है, वहीं राजकुमार राव की फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कलेक्शन कर रही है। तो आइये जानते है बुधवार को कौन सी फिल्म ने कितनी कमाई की है। राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की हिट - द फर्स्ट केस अच्छी समीक्षा मिलने के बावजूद दर्शकों को प्रभावित करने में असफल रही। फिल्म ने ओपनिंग डे पर धीमी शुरुआत के बाद रफ्तार पकड़नी शुरू की थी, लेकिन अब भी ये फिल्म उम्मीद के मुताबिक स्कोर नहीं कर पा रही है। इस समय हिट द फर्स्ट केस महज 10 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार करने के लिए संघर्ष कर रही है। अब तक फिल्म की कुल कमाई 7.34 करोड़ रुपये हो चुकी है। यह फिल्म तेलुगु पुलिस ड्रामा हिट का हिंदी रीमेक है। यह एक पुलिस वाले की कहानी है जो एक लापता महिला की तलाश में है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा ने मुख्य भूमिका निभाई है। तापसी पनू स्टारर फिल्म शाबाश मिथु को भी बढ़िया रिव्यू मिला था, इसके बावजूद फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हो रही है। ओपनिंग डे पर ये फिल्म ने धीमी शुरुआत की थी। उम्मीद की जा रही थी वीकेंड पर फिल्म कुछ कमाल कर सकती है, लेकिन संडे के बाद भी मामला ठंडा नजर आया। इसके बाद ये फिल्म मंडे टेस्ट में भी फेल हो गई। बुधवार को फिल्म की कमाई की बात करें तो तापसी पनू की इस मूवी ने टोटल करीब दो करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। सिनेमाघरों में चल रही फिल्म थॉर लव एंड थंडर की रफ्तार अब कम होती नजर आ रही है। थॉर लव एंड थंडर के चौदहवें दिन के कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने हिंदी में महज 47 लाख का आंकड़ा छुआ है। फिल्म ने पहले हफ्ते में 81.76 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। इसमें हिंदी संस्करण की कमाई 24.23 करोड़ रुपये रही।

संजय दत्त को 'शमशेरा' के निर्देशक ने बताया 'सुपरमैन'

नई दिल्ली । बोले- शूटिंग के दौरान नहीं था कैंसर का पताशमशेरा के निर्देशक ने संजय दत्त के साथ शूटिंग के दौरान के अपने अनुभव

साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि सेट पर संजय के कैंसर होने की जानकारी किसी को नहीं थी। संजय दत्त इन दिनों 'शमशेरा' को लेकर सुखिर्यों में बने हुए हैं। करण मल्होत्रा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर और वाणी कपूर भी मुख्य भूमिक में हैं। फिल्म से जुड़ी पूरी कास्ट इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई है। वहीं, हाल ही में फिल्म के निर्देशक ने संजय दत्त से साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। संजय दत्त कैंसर से जंग लड़ने के दौरान भी फिल्म की शूटिंग किया करते थे, जिसने करण मल्होत्रा की नजरों में उनका सम्मान और बढ़ा दिया है। सेट पर सभी के लिए थे प्रेरणा करण मल्होत्रा ने बताया कि संजय दत्त ने किसी को कैंसर के बारे में बताए बिना चुपचाप बीमारी का सामना किया। करण ने कहा, 'संजय सर को कैंसर होने की खबर हम सभी के लिए एक बहुत बड़े सदमे की तरह थी। हमें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वह आराम से बात कर रहे थे और काम भी करते थे कि जैसे कि कुछ हुआ ही नहीं है। मुझे लगता है कि अपने इसी जज्बे की वजह से उन्होंने इस पर विजय प्राप्त की है और वह आज भी है। वह सेट पर हर किसी के लिए एक प्रेरणा थे।' संजय दत्त को कहा 'सुपरमैन' उन्होंने आगे कहा, 'अपने जीवन के इतने साल इस इंडस्ट्री को देने के बाद, संजय सर का व्यवहार हम सभी को दिखाता है कि सेट पर खुद को कैसे संचालित किया जाता है। वह शमशेरा की शूटिंग ऐसे करते थे कि कुछ हुआ ही नहीं है। उन्होंने कभी ये नहीं बताया कि पर्सनली उन पर क्या बीत रही है।

'केजीएफ' स्टार यश की सुपरहिट फिल्म 'गुगली' का बनेगा रीमेक

नई दिल्ली ।यहां जाने सारी डिटेलअभिनेता यश ने केजीएफ 2 से पहले भी दक्षिण भारतीय सिनेमा को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। इन्हीं में से एक सफल फिल्म है गुगली। जानकारी है कि अलग-अलग भाषाओं में इसका रीमेक बनने वाला है। फिल्म केजीएफ 2 की जबरदस्त

सफलता के बाद पैन इंडिया स्टार बन चुके साउथ अभिनेता की लोकप्रियता में चार चांद तो लग ही चुके हैं। ऐसे में हर प्रोड्यूसर या निर्देशक उनके साथ फिल्में करना चाहेगा। फिलहाल इस समय जानकारी सामने आई है कि अभिनेता यश की फिल्म 'गुगली' का रीमेक बनने वाला है। कनन्ड़ भाषा में बनी 'गुगली' भी बॉक्स ऑफिस पर खरे सोने की तरह चमकी थी। अब जबकि इसके रीमेक की खबर सामने आ गई है तो फैंस के लिए ये किसी ट्रीट से कम नहीं है। तो चलिए इसके बारे में जानते है सारी डिटेल। इस फिल्म निर्माता ने खरीदा राइट्स बात करें फिल्म 'गुगली' के रीमेक की तो जाने-माने फिल्म निर्माता महेश दननवर ने इस फिल्म को अलग-अलग भाषाओं में रीमेक बनाने का फैसला किया है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, दननवर ने इस सुपरहिट फिल्म के रीमेक बनाने के अधिकार हासिल कर लिए है। अब इसे अलग-अलग भाषाओं में बनाया जाएगा। सुपरहिट रही थी फिल्म गुगली बात करें फिल्म गुगली की तो साल 2013 आई इस फिल्म में अभिनेता यश के अलावा कृति खरबंदा उनके अपोजिट मुख्य भूमिका में थीं। इस फिल्म ने न सिर्फ जबरदस्त कमाई की थी बल्कि कई अवॉर्ड्स भी झटके थे। अलग-अलग भाषा में बनेगा रीमेक फिल्म 'गुगली' का रीमेक बनाने के पीछे कारण है कि यह एक ब्लॉकबस्टर सफल रही थी.जिसको देखते हुए इसका कई भाषाओं में रीमेक बनाया जाएगी।

शाही परिवार में हुआ राजकुमार का जन्म, पिता, बहन और पत्नी सभी का है फिल्मों से कनेक्शन

नई दिल्ली । साउथ इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता राजकुमार सेतुपति आज अपना 63वां जन्मदिन मना रहे हैं। 21 जुलाई 1959 को

चेनन्ई में जन्मे राजकुमार सेतुपति मुख्य रूप से मलयालम और तमिल फिल्मों में अभिनय करते हैं। 1980 में उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत एम. भास्कर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'सुलम' से की थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनके जीवन से जुड़ी कुछ बातें बताने जा रहे हैं राजकुमार सेतुपति का जन्म चेनन्ई में एक शाही परिवार में हुआ था। राजकुमार सेतुपति के पिता निर्माता शनमुघा राजेश्वर सेतुपति और मां लीलारानी है। वहीं, उनकी बड़ी बहन लता भी तमिल इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। बचपन से वह फिल्मी परिवेश में पले-बढ़े थे। उन्होंने साउथ इंडिया फिल्म चैंबर्स में दो साल का एक्टिंग कोर्स भी किया और फिर फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में कम किया और 1982-1988 तक प्रमुख अभिनेताओं की लिस्ट में शुमार रहे। राजकुमार सेतुपति ने 1988 में श्रीप्रिया से शादी की थी। श्रीप्रिया एक फेमस अभिनेत्री और डायरेक्टर होने के साथ राजनीति से भी जुड़ी हुई हैं। दोनों की एक बेटी सन्हा और बेटा नागार्जुन हैं। इसी साल अप्रैल में उनकी बेटी की शादी की हुई है, जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर छाई रही थीं। पति-पत्नी की यह जोड़ी दो फिल्मों को बनाने के लिए साथ भी आ चुकी हैं। श्रीप्रिया सेतुपति ने तेलुगू में 'दृश्यम' फिल्म का निर्देशन किया था, तो राजकुमार सेतुपति ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया था। हालांकि यह फिल्म मलयालम फिल्म 'दृश्यम' का रीमेक थी, जिसका अजय देवगन भी हिंदी रीमेक बना चुके हैं। इसके अलावा सेतुपति ने तमिल में भी 'दृश्यम' के रीमेक 'पापनासम' और 'मालिनी 22 पलायमकोट्टई' को प्रोड्यूस किया था। 'मालिनी 22 पलायमकोट्टई' का निर्देशन श्रीप्रिया ने ही किया था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायो में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कन्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274